epaper.dehatsandesh.com

3 इंटर्नशिप कार्यक्रम छात्रों के लिए एक मूल्यवान अनुभव

5 दिग्गज फुटबालर मेसी अनिश्चितकाल के लिए मैदान से बाहर रहेंगे

8 भारत की फ्यूचर क्रॉप है मक्का

मौसम जम्मू न्यूनतम 25 अधिकतम 29

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-192 | जम्मू तवी, मंगलवार 05 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

पर्यावरण जागरूकता अब वैकल्पिक नहीं बल्कि एक आवश्यकता है : मुख्यमंत्री

जम्मू 04 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के आर्थिक भविष्य को आकार देने में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज चट्ठा स्थित बाबा जित्तो ऑडिटोरियम में विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि और संबद्ध क्षेत्र संभावनाओं के साथ-साथ ज़िम्मेदारी के क्षेत्र हैं और उन्होंने जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और उभरते वैश्विक मानकों के मद्देनजर इनकी बढ़ती जटिलता को स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि खंडित भूमि जोत, घटते जल संसाधन और रसायन-आधारित उर्वरकों का अनियंत्रित उपयोग ऐसे मुद्दे हैं जिनमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है और स्थायी एवं जैविक प्रथाओं की ओर निर्णायक बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने खाद्य श्रृंखला में सूक्ष्म प्लास्टिक और जलवायु परिवर्तन के प्रति बढ़ती चिंताओं पर भी ज़ोर दिया और कहा कि पर्यावरण जागरूकता अब वैकल्पिक नहीं बल्कि एक आवश्यकता है।

स्नातक छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने उनसे

स्कॉस्ट के आदर्शों को आत्मसात करने और ग्रामीण परिवर्तन के व्यापक मिशन में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने नए स्नातकों से नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनने का आह्वान करते हुए कहा कि अपने नवाचार से रोज़गार पैदा करें, अपने ज्ञान से उद्यम बनाएँ और अपनी करुणा से कृषि को नई परिभाषा दें।

विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने एक्स सीटू जीन बैंक के शुभारंभ की सराहना की और देशी बीज किस्मों और फसल विविधता के संरक्षण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसा बुनियादी ढांचा तभी फलदायी होगा जब इसे सही प्रतिभा के साथ जोड़ा जाए। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से कृषि विज्ञान की उभरती चुनौतियों का समाधान करने के लिए इन सुविधाओं का पूरा उपयोग करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने छात्रों की शैक्षणिक उत्कृष्टता और विकासात्मक आख्यानों में समान भागीदारी की भी सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि स्कॉस्ट-जम्मू के पूर्व छात्र कृषि क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देंगे।

स्कॉस्ट-जम्मू के दीक्षांत समारोह में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में मुख्य अतिथि के रूप में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जावीद अहमद डार, मुख्य सचिव अटल डुल्लू और प्रमुख सचिव शैलेंद्र कुमार ने विश्वविद्यालय को उसकी रजत जयंती पर बधाई दी और एनईपी-2020, स्टार्टअप इंडिया और विकसित भारत/2047 जैसे राष्ट्रीय ढाँचों के साथ उनके दूरदर्शी समन्वय के लिए उपकुलपति और संकाय की सराहना की।

विश्वविद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए उपकुलपति प्रो. बी.एन. त्रिपाठी ने शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और आउटरीच में स्कॉस्ट-जम्मू की निरंतर उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे द्वारा प्राप्त पेटेंट, हमारे द्वारा विकसित किए गए स्टार्टअप और कृषक समुदाय को सशक्त बनाने के लिए हमारे द्वारा हस्तांतरित ज्ञान में परिलक्षित होती है। दीक्षांत समारोह में 446 डिग्रियाँ प्रदान की गईं जिनमें 157 स्नातकोत्तर, 46 डॉक्टरेट और 243 स्नातक डिग्रियाँ शामिल हैं, साथ ही मेधावी छात्रों को 8 स्वर्ण पदक भी प्रदान किए गए। कृषि-प्रौद्योगिकी और ग्रामीण उद्यमिता में उनके योगदान के लिए कई प्रोफेसरों, नवप्रवर्तकों और उद्यमियों को भी सम्मानित किया गया।

उपराज्यपाल ने स्कॉस्ट-जम्मू के 9वें दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

किसान कल्याण माननीय प्रधानमंत्री मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता हैः उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू 04 अगस्त । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्कॉस्ट-जम्मू के 9वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने सभी स्नातक छात्रों को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के 25 गौरवशाली वर्ष पूरे होने पर प्रबंधन, संकाय और कर्मचारियों को भी बधाई दी।

उपराज्यपाल ने कृषि क्षेत्र में नवाचार और उत्पादकता एवं दक्षता बढ़ाने में नारी शक्ति के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा कि जलवायु अनुकूल फसलें, कीट प्रबंधन, जैव प्रौद्योगिकी समाधान, जैविक खेती जैसे क्षेत्रों में महिला वैज्ञानिकों की भागीदारी ने अमूल्य योगदान दिया है।

उपराज्यपाल ने कहा कि कृषि और संबद्ध क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व में विकास हो रहा है। मुझे बेहद गर्व है कि स्नातकोत्तर और स्नातकोत्तर स्तर पर 8 स्वर्ण पदक विजेताओं में से 7 हमारी बेटियाँ हैं। पीएचडी और स्नातकोत्तर स्तर पर

35 योग्यता प्रमाणपत्रों में से 32 योग्यता प्रमाणपत्र हमारी बेटियों को प्रदान किए गए। यह कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में नारी शक्ति के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है और मेरा मानना है कि वे स्थायी कृषि के लिए नवाचार को बढ़ावा देंगी और किसानों की आय में वृद्धि करेंगी। दीक्षांत समारोह में उपराज्यपाल ने किसानों की आय, जोखिम न्यूनीकरण और किसान-उद्योग संबंधों को मज़बूत करने हेतु स्थायी कृषि पद्धतियों हेतु एक मज़बूत नवाचार और आधुनिक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समग्र कृषि विकास कार्यक्रम और जम्मू-कश्मीर में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता सुधार परियोजना का किसानों की आय पर सकारात्मक प्रभाव अब दिखाई दे रहा है। बीज से बाजार तक के सभी चरणों में संपूर्ण परिवर्तन जम्मू-कश्मीर में हमारा मंत्र रहा है। छोटे और सीमांत किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयोगशाला से भूमि तक के संकल्प को साकार किया गया है

उपराज्यपाल ने वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की नई पीढ़ी से स्मार्ट खेती पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि बीज उत्पादन, कीट प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि मशीनीकरण में क्रांति ने युवा पेशेवरों के लिए उत्पाद विकास और गुणवत्ता नियंत्रण में योगदान करने के अवसर सुनिश्चित किए हैं।

इस अवसर पर उपराज्यपाल ने एक अत्याधुनिक एक्स-सीटू जीन बैंक का उद्घाटन किया। स्कॉस्ट जम्मू देश का तीसरा ऐसा संस्थान बन गया है जिसके पास एक्स-सीटू जीन बैंक है। यह सुविधा बीज, पादप ऊतक, पशु जर्मप्लाज्म जैसे आनुवंशिक संसाधनों को उनके प्राकृतिक आवास से बाहर संरक्षित करेगी और प्रजनन एवं अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए एक अमूल्य संसाधन साबित होगी।

उपराज्यपाल ने 200 बिस्तरों वाले किसान छात्रावास और सामान्य शैक्षणिक सुविधाओं से युक्त एक संकाय भवन की आधारशिला भी रखी। दीक्षांत समारोह के दौरान 157 स्नातकोत्तर, 46 डॉक्टरेट और 243 स्नातक उपाधियों सहित 446 उपाधियाँ प्रदान की गईं।

खबर संक्षेप

भारत-पाक सीमा के पास बीएसएफ ने संदिग्ध को पकड़ा, पूछताछ जारी

कठुआ/हीरानगर 04 अगस्त। कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर के मढ़हीन इलाके में सीमा सुरक्षा बल ने भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक संदिग्ध को पकड़ा। सूत्रों के अनुसार बीएसएफ कर्मियों द्वारा चलाए गए एक नियमित निगरानी अभियान के दौरान इस व्यक्ति को पकड़ा गया। प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि संदिग्ध के कॉल रिकॉर्ड कथित तौर पर पाकिस्तान स्थित संपर्कों से जुड़े हैं जिससे गंभीर सुरक्षा चिंताएँ पैदा हो रही हैं। संदिग्ध से फिलहाल खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं।

सकीना इत्तू ने जीजीएचएसएस सुरनकोट और जीएचएसएस लसाना का औचक निरीक्षण किया

पुंछ 04 अगस्त। शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुरनकोट और सरकारी हायर सकैंडरी स्कूल लसाना का औचक निरीक्षण किया और उनके कामकाज और शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया।

जीजीएचएसएस, सुरनकोट के दौरे के दौरान, शिक्षा मंत्री ने संस्थान के कामकाज, शिक्षण की गुणवत्ता, बुनियादी सुविधाओं और शैक्षणिक मानकों के पालन का आकलन करने के लिए छात्रों, शिक्षकों और अन्य गैर-शिक्षण कर्मचारियों से बातचीत की। शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए, मंत्री ने विभिन्न कमियों पर ध्यान दिया और उन्हें शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। छात्रों से बात करते हुए, उन्होंने उन्हें अपने सशक्तिकरण और उत्थान के लिए शिक्षा को एक परिवर्तनकारी साधन के रूप में प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए कांग्रेस करेगी निर्णायक संघर्ष : रमण भल्ला

जम्मू, 4 अगस्त। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री रमण भल्ला ने सोमवार को स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाने के लिए जनआंदोलन को उसके तार्किक अंजाम तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष जनता की सक्रिय भागीदारी से ही संभव होगा। बाग-ए-बाहु में चल रहे कांग्रेस के जनसंपर्क अभियान के तहत आयोजित संवाद कार्यक्रम में भल्ला ने समाज के विभिन्न वर्गों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि अगस्त 2019 में राज्य का दर्जा खत्म किया जाना न केवल राजनीतिक विश्वासघात था, बल्कि यह

भारत के संघीय ढांचे पर सीधा आघात था। उन्होंने कहा, यह क्षेत्र ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है, लेकिन इसकी पहचान और गरिमा को ठेस पहुंचाई गई है। प्रशासनिक अलगाव और राजनीतिक अनिश्चितता से हर वर्ग में हताशा व्याप्त है। युवा बेरोजगारी से त्रस्त हैं, किसान आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं और व्यापारी लगातार नुकसान झेल रहे हैं। भल्ला ने केंद्र सरकार से संसद में दिए गए वादों को पूरा करने की मांग करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि ये आश्वासन धरातल पर उतरें।

भारत पर 25 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ पर फारूक अब्दुल्ला बोले - हमारा कोई दोस्त नहीं बचा

श्रीनगर, 04 अगस्त । भारत पर 25 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ लगने की घोषणा के बाद जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को भारत के कोई दोस्त नहीं होने पर चिंता व्यक्त की और दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान के करीब आ गए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ने यह दिखाने की कोशिश की है कि वह अपने पड़ोसी देशों से ज़्यादा मज़बूत है, बजाय इसके कि वह यह दर्शाए कि आर्थिक मुद्दों से निपटने के लिए इन देशों को एक साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा कोई दोस्त नहीं बचा है, यहां तक कि हमारे पड़ोसी भी हमारे दोस्त नहीं हैं। हमने यह दिखाने की कोशिश की है कि हम

उनसे ज्यादा मज़बूत हैं, बजाय इसके कि हम सभी को एक साथ रहना चाहिए। इसीलिए इंदिरा गांधी ने सार्क बनाया, जिसका उद्देश्य सभी देशों को हमारे करीब लाना था। इसका उद्देश्य आर्थिक मुद्दों पर विचार करना और उन्हें कैसे सुलझाया जाए, इस पर विचार करना था।

अब्दुल्ला ने कहा कि ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच की समस्या से देश को नुकसान हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ के कारण रुपये की कीमत गिर रही है, जिसका असर सभी पर पड़ रहा है।

कुपवाड़ा में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़, हथियार व गोला-बारूद बरामद

कुपवाड़ा, 4 अगस्त । कुपवाड़ा ज़िले के कलारूस इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने सोमवार को एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया जहाँ से हथियार, गोला-बारूद और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। अधिकारियों ने बताया कि कुपवाड़ा के कलारूस में तीन दिवसीय संयुक्त तलाशी अभियान में बीएसएफ, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोमवार को एक पथरीली गुफा का पता लगाया। तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों ने ठिकाने से 12 चीनी ग्रेनेड, गोला-बारूद से भरी चीनी पिस्तौल, केनवुड रेडियो सेट, उर्दू आईईडी मैनुअल और फायर स्टिक बरामद किए। अधिकारियों ने कहा कि समय पर की गई कार्रवाई ने इलाके में आतंकवादियों की संभावित नापाक योजना को नाकाम कर दिया है और इस बात पर ज़ोर दिया कि संयुक्त बल आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पहलगाम हमले में शामिल मारे गए लश्कर-ए-तैयबा के तीन विदेशी आतंकवादी पाकिस्तानी नागरिक थे

श्रीनगर, 4 अगस्त। सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान सरकार द्वारा जारी दस्तावेज़ों और बायोमेट्रिक डेटा सहित कई सबूत इकट्ठा किए हैं जिनसे पुष्टि होती है कि घातक पहलगाम हमले में शामिल तीन मारे गए विदेशी आतंकवादी पाकिस्तानी नागरिक थे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के वरिष्ठ आतंकवादियों के रूप में पहचाने गए ये आतंकवादी 28 जुलाई को श्रीनगर के बाहरी इलाके दाचीगाम के जंगल में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए थे। इस ऑपरेशन का कोडनेम महादेव था। मारे गए आतंकवादी 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए हमले के बाद से दाचीगाम-हरवान वन क्षेत्र में छिपे हुए थे जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। अधिकारियों ने बताया कि एकत्र किए गए सबूतों से पता चलता है कि इन आतंकवादियों में कोई स्थानीय व्यक्ति नहीं था।

अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के राष्ट्रीय डेटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण के बायोमेट्रिक रिकॉर्ड, मतदाता पहचान पत्र और डिजिटल सैटेलाइट फ़ोन डेटा जिसमें लॉग और जीपीएस वेपॉइंट शामिल हैं, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा एकत्र किए गए निर्णायक सबूतों में से हैं जो तीनों आतंकवादियों की पाकिस्तानी राष्ट्रीयता की पुष्टि करते हैं।

उन्होंने कहा कि मुठभेड़ के बाद की जाँच जिसमें बैलिस्टिक हथियार-से-कारतूस का मिलान और हिरासत में लिए गए दो कश्मीरी मददगारों के बयान शामिल हैं ने पहलगाम हमले में आतंकवादियों की संलिप्तता की पुष्टि की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पहली बार हमारे पास सरकार द्वारा जारी पाकिस्तानी दस्तावेज़ हैं जो पहलगाम हमलावरों की राष्ट्रीयता को संदेह से परे साबित करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन महादेव के दौरान और उसके बाद एकत्र किए गए फोरेंसिक दस्तावेजी और साक्ष्यों से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि तीनों हमलावर पाकिस्तानी नागरिक और लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ सदस्य थे जो हमले के दिन से ही दाचीगाम-हरवान वन क्षेत्र में छिपे हुए थे। उन्होंने यह भी बताया कि गोलीबारी करने वाली टीम में कोई भी कश्मीरी शामिल नहीं था। मारे गए आतंकवादियों की पहचान ए प्लस प्लस श्रेणी के आतंकवादी, मास्टरमाइंड और मुख्य शूटर सुलेमान शाह उर्फ फैजल जट्ट के रूप में हुई है।

सोरेन के निधन पर मुर्मू और मोदी के साथ कई अन्य नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली, 4 अगस्त। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों तथा कई अन्य वरिष्ठ नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा कि श्री सोरेन का निधन सामाजिक न्याय के क्षेत्र की एक बड़ी क्षति है। उन्होंने आदिवासी अस्मिता और झारखंड राज्य बनाने के लिए संघर्ष किया। आदिवासी समुदायों के कल्याण में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने शोक व्यक्त करते हुए लिखा कि श्री सोरेन ज़मीनी नेता थे। उनका जनता के प्रति अटूट समर्पण था। वे आदिवासियों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए विशेष

रूप से समर्पित थे। श्री मोदी ने अस्पताल पहुंच कर श्री सोरेन को श्रद्धासुमन अर्पित किए और शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया।

श्री गांधी ने कहा कि आदिवासी समुदाय की सशक्त आवाज रहे श्री सोरेन ने अपना जीवन उनके अधिकारों और हकों के लिए संघर्ष में खपा दिया। श्री खरगे ने लिखा कि उन्होंने अपना जीवन जल, जंगल और जमीन पर लोगों के अधिकारों और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया।

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा श्री सोरेन जनजातीय अस्मिता व अधिकार के सशक्त स्वर थे। राजस्थान के

खयाम हमला मामला 5 आरोपी गिरफ्तार, दो वाहन जब्त

जम्मू,, 4 अगस्त। श्रीनगर के खयाम चौक पर बीती रात हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी इलाके में सार्वजनिक उपद्रव और शारीरिक हमले में शामिल थे। खन्यार थाना में एफआईआर नंबर 40/2025 दर्ज की गई है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान फैहीम अहमद खान, तलत हसन, नदीम मलिक, आमिर राशिद मोलवी और मुदस्सिर अहमद शेख के रूप में हुई है। आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए महिंद्रा स्कॉर्पियो छ और टोयोटा ग्लैंज़ा वाहनों को भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

2017 से पहले था निवेश का सूखा, अब योगी राज में हो रही निवेश क्रांति

लखनऊ, 04 अगस्त। उत्तर प्रदेश, जो कभी निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य नहीं माना जाता था, आज देश के सबसे भरोसेमंद और तेजी से विकसित होते औद्योगिक राज्यों की पंक्ति में खड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में ऐसी छलांग लगाई है, जिसकी मिसाल कम ही देखने को मिलती है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज ॅरिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्मॅ मॉडल का सर्वोत्तम उदाहरण बन चुका है। जहां एक ओर 2017 से पहले यूपी निवेश मानचित्र पर मुश्किल से स्थान पा रहा था, वहीं अब यह राज्य वैश्विक निवेशकों के लिए पहला विकल्प बन गया है। विगत 8 वर्षों में लाखों करोड़ का निवेश और दुनिया भर के निवेशकों का उत्तर प्रदेश की ओर रिझान इसी ओर इशारा कर रहा है।2017 से पहले था निवेश का

सूखा, नीति और व्यवस्था की कमी मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वर्ष 200 0 से 2017 तक 17 वर्षों में यूपी को महज ₹3,000 करोड़ का एफडीआई प्राप्त हुआ था। 2016-17 में यह आंकड़ा गिरकर ₹50 करोड़ तक सिमट गया था जो राज्य की छवि और औद्योगिक अभाव को दर्शाता है।

राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग औसत थी, सिंगल विंडो सिस्टम जैसी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी थी। यही नहीं, औद्योगिक विकास के लिए न तो स्पष्ट विज़न था और न ही स्थिर कानून व्यवस्था, जिससे निवेशकों में विश्वास की कमी बनी रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने निवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ गंतव्य बनने का संकल्प लिया। इसके चलते 2019 से 2023 के बीच यूपी ने हजारों करोड़ से अधिक के एफडीआई को आकर्षित किया जो पूर्व की तुलना में कई गुना अधिक वृद्धि रही। सरकार ने दो इन्वेस्टर्स समिट (2018 यूपी इन्वेस्टर्स और 2023 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट) सफलतापूर्वक आयोजित किए।

2018 जीआईएस से ₹4.28 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जबकि 2023 जीआईएस से रिकॉर्ड ₹33.50 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हासिल हुए।

मुख्य सचिव ने जम्मू के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण किया

स्वास्थ्य सेवाओं और चल रही बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की भी समीक्षा की

जम्मू, 04 अगस्त। जम्मू में स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली का आकलन और सुदृढ़ीकरण करने के उद्देश्य से, मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने शहर के प्रमुख सरकारी चिकित्सा संस्थानों का व्यापक दौरा किया।

इस दौरे में मुख्य सचिव के साथ संबंधित मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य, चिकित्सा अधीक्षक, संकाय सदस्य, मुख्य अभियंता (लोक निर्माण विभाग) और अन्य लोग मौजूद थे।

इस दौरे का उद्देश्य इन प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में प्रदान की जा रही रोगी देखभाल सुविधाओं का जायजा लेने के अलावा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए वर्तमान में चल रही महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की स्थिति का मौके पर आकलन करना था। मुख्य सचिव ने अपने दौरे की शुरुआत सरकारी मेडिकल कॉलेज, बख्शी नगर से की, जहाँ उन्होंने नवनिर्मित 100 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निरीक्षण किया, जो उच्च-निर्भरता वाले रोगियों को संभालने की अस्पताल

की क्षमता में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है। उन्होंने इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी एवं उच्च-स्तरीय प्रयोगशाला विभाग के स्थल पर प्रगति की भी समीक्षा की, जिसका उद्देश्य संस्थान में विशेषज्ञ देखभाल सेवाओं को और बेहतर बनाना है। इसके बाद, मुख्य सचिव ने निकटवर्ती अस्थि एवं जोड़ अस्पताल और बाद में जम्मू के शालामार स्थित एसएमजीएस अस्पताल का दौरा किया। एसएमजीएस में, उन्होंने 31.59 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन 243 बिस्तरों वाले स्त्री रोग विभाग का विस्तृत निरीक्षण किया।

साभार : अशोक कुमार मुनडेतिया

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

रेसिंग ट्रैक पर हवा से बातें करती कार दौड़ाने की बात हो या आर्मी द्वारा वार फील्ड में गोलियों की तड़ातड़ बौछार करने वाले मुकाबले की, वीडियो गेम की दुनिया में पलक झपकते ऐसे रोमांचक दृश्य पैदा किए जा सकते हैं। यदि यह कल्पना ज्यादा बेहतरीन और सच के करीब हो तो! इस बार के गेम एक्सपो यानी ई-3 में आपकी इसी ख्वाहिश को पूरा करने की कामयाब कोशिश की गई। इस रोचक मेले में हर बड़ी कंपनी ने नए गेम,नए कंसोल पेश किए। उन्होंने दावा किया कि उनके ये नए उपकरण पुरानी सीमाओं को तोड़ देंगे। यहां हजारों खरीदारों ने शिरकत की। एक से बढ़कर एक वीडियो गेम और इससे जुड़ी टेक्नोलॉजी की प्रदर्शनी लगाई गई। गेम के दीवानों की भीड़ के बीच वीडियो गेम के लेटेस्ट ट्रेंड पर भी चर्चा हुई..।

एक्सबॉक्स की धूम

प्लेस्टेशन 4 गेम कंसोल इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहा है। गेम एक्सपो में यह बात देखने को मिली। दरअसल, पीएस 4 गेम कंसोल पहले से कहीं ज्यादा एडवांस है और इसपर कुछ नए और शानदार गेम खेले जा सकते हैं, जैसे-'स्टीमपुक थ्रिलर 'द ऑर्डर: 1986''अनचार्टेड' और 'लिटिल बिग प्लैनेट' की नई किस्त आदि। 'एनट्वीन्ड' और साई फाई एक्सप्लोरेशन गेम 'नो मैंस स्काई' को पीएस 4 पर खेलने का आनंद ही कुछ और है।

इसके बावजूद एक्सबॉक्स के कुछ नए गेम प्लेस्टेशन 4 के मुकाबले ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 'सनसेट ओवरड्राइव' 'ओरी एंड द ब्लाइंड फॉरेस्ट' और 'हालो', 'फोरजा होराइजॉन' और 'क्रैकडाउन' सीरीज के नए वर्जन को देखते हुए एक्सबॉक्स को लोगों ने सिरआंखों पर बिठाया।

जलवा निटेंडो का

जापानी गेम कंपनी निटेंडो अपने फैंस को लुभाने के लिए हमेशा कुछ न कुछ नया करती रहती है। यही वजह है कि गेम एक्सपो में भी लोगों ने निंटेंडो को हाथोंहाथ लिया। इसकी पुरानी लोकप्रियता बरकरार रही। बदले में निटेंडो ने अपने चाहने वालों को कुछ खास तरह के गेम उपहार में दिए, जैसे- 'लिजेंड ऑफ जेल्डा', 'स्प्लाटून' आदि। इसके अलावा, कैप्टन टोड ट्रेजर ट्रेकर कुछ ऐसे गेम हैं, जिन्हें खेलने का अनुभव पहले से कहीं ज्यादा मजेदार है। इसी तरह, एमीबो लाइन, एक ऐसा गेम है, जो रियल वर्ल्ड के खिलौने मारियो से कनेक्ट करता है और इसे कहीं ज्यादा बेहतरीन बनाता है।

ऑक्यूलस है बेस्ट

ई 3 में सबसे अधिक चर्चा हुई उस हेडसेट की, जिसे कानों पर लगाते ही आप थ्रीडी वर्चुअल रियल्टी की दुनिया में खो जाते हैं। बेस्ट हेडसेट की इस होड़ में सोनी ने अपने लेटेस्ट प्रोजेक्ट मॉरफीयस डिवाइस का डेमो भी दिया। यह ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें हेडसेट को अत्याधुनिक बनाने का प्रयास किया गया है। पर इससे भी बेहतर साबित हुआ ऑक्यूलस हेडसेट, जो वर्चुअल रियलिटी को कहीं ज्यादा सच के करीब ले जाता है। इसकी मदद से 'एलियन : आइसोलेशन', अ मारियो स्टाइल गेम 'लकीज टेल' जैसे गेम को सबसे ज्यादा पंसद किया गया।

मल्टीप्लेयर या सोलो

'इवोल्व', 'रेनबो सिक्स :सीज' निटेंडो का प्वाइंटबॉल कॉम्पिटिशन 'स्प्लाटून', ऐसे कई सोलो गेम हैं, जिन्हें आप अकेले खेल सकते हैं। सोनी का 'द ऑर्डर' भी इसी प्रकार का रोचक गेम है। पर यदि आप कहीं ज्यादा रोमांचक और थ्रिलिंग एक्सपीरियंस के साथ वीडियो गेम खेलना चाहते हैं, तो बेहतर होगा इसके लिए आप अपने कुछ खास दोस्तों की तलाश करें। दरअसल, मल्टीप्लेयर गेम खेलने का आनंद ही कुछ और है। ई-3 में प्रशंसकों के बीच मल्टीप्लेयर वीडियो गेम का उत्साह ज्यादा दिखा और इसे भविष्य में सोलो गेम से ज्यादा पसंद किया जाएगा, गेम विशेषज्ञों ने यह भविष्यवाणी भी की। टॉप मल्टीप्लेयर गेम के तौर पर इवोल्व, रेनबो, बैटलफील्ड हार्डलाइन, स्पलाटून और जस्ट डांस नाउ को ज्यादा पसंद किया गया।

खेलें सीटिंग पोजिशन में

कुछ साल पहले तक मोशन-डिटेक्टिंग गेम डिवाइस हमें अपनी जगह से उठकर इधर-उधर मूव करने पर मजबूर कर देता था। पर निटेंडो का शुक्रिया अदा करना होगा कि इससे इस परेशानी से निजात दिला दी। निटेंडो का वाई (6 और माइक्रोसॉफ्ट का काइनेक्ट (%ल्लीङ्क3) बैठकर खेलने की सुविधा देता है। हां, बिना काइनेक्ट के एक्सबॉक्स वन के जरिए आप एक जगह बैठकर कहीं ज्यादा आरामदायक तरीके से खेल एनजॉय कर सकते हैं। इस तरह, ई-3 में सीटिंग गेम को सपोर्ट करने वाली टेक्नोलॉजी को मूव करने वाले डिवाइस से कहीं ज्यादा पसंद किया गया।

तीन हृदय वाली कटलफिश

कटलफिश कई मायनों में विचित्र है। जहां हर प्राणी के शरीर में एक हृदय होता है, वहीं इसके तीन हृदय होते हैं। गिलों के पास दो हृदय होते हैं जिनका काम अशुद्ध रक्त को गिलों में भेजना है। वहां से यह रक्त तीसरे हृदय में जाता है और फिर शरीर के विभिन्न हिस्सों में पहुंचता है...

मछलियों की हजारों प्रजातियां हैं लेकिन जो बात कटलफिश में है, वह दूसरी मछलियों में कहां! यह सेफलोपोडा वर्ग में आती है। यह समुद्री किनारों के उथले पानी में रहती है। इसकी लंबाई 1.8मीटर तक हो सकती है। कटलफिश कई मायनों में विचित्र है। जहां हर प्राणी के शरीर में एक ही हृदय होता है, वहीं इसके तीन हृदय होते हैं। गिलों के पास दो हृदय होते हैं जिनका काम अशुद्ध रक्त को गिलों में भेजना है। वहां से यह रक्त तीसरे हृदय में जाता है और फिर शरीर के विभिन्न हिस्सों में पहुंचता है। यह एकमात्र ऐसी मछली है जिसके रक्त का रंग लाल न होकर नीला होता है। इसका कारण इसके रक्त में हीमोग्लोबिन की बजाय हीमोसाइनिन नामक पदार्थ होता है। हीमोग्लोबिन में लोहा होता है जबकि हीमोसाइनिन में तांबा। तांबे की वजह से इससे रक्त का रंग नीला होता है। आमतौर पर कटलफिश समुद्री किनारों पर उथले पानी में निवास करती है। कटलफिश बसंत या ग्रीष्म ऋतु में अंडे देती है जिनकी संख्या 100 से 300 तक होती है। इस मछली के शरीर का रंग कत्थई होता है तथा शरीर पर कुछ धारियां और धब्बे भी होते हैं। गिरगिट की भांति इनमें भी अपने शरीर का रंग बदलने की अद्भुत क्षमता होती है। जब सूर्य की रोशनी इन पर पड़ती है तो इनका रंग काफी चमकदार दिखता है। यह दो मीटर तक लंबी हो सकती है। दुश्मनों से अपनी रक्षा करने का इसका तरीका भी गजब का है। जब कोई शत्रु इन पर आक्रमण करने की कोशिश करता है तो ये अपने शरीर से काले रंग का एक पदार्थ उस पर छोड़ती हैं जो धुएं के रूप में वातावरण में फैल जाता है। इस बीच वह दुश्मन की नजर से ओझल हो जाती है।

बॉल की तरह दिखने वाला पौधा

आपने बहुत से पौधों के बारे में देखा और सुना होगा। कुछ पौधे ऐसे होते हैं जिन्हें अगर देखें तो व्यक्ति देखता ही रह जाए, वहीं कुछ पौधे इतने भयावह होते हैं कि उनके पास जाने की कल्पना भी मनुष्य नहीं कर सकता। लेकिन क्या आपने कभी किसी ऐसे पौधे के बारे में सुना है जो बिल्कुल बॉल की तरह दिखता हो। जी हां, साउथ अफ्रीका में यूफॉर्बी ओबेसा नामक पौधा पाया जाता है, जिसे दूर से देखने पर आभास होता है कि मानो कोई बेसबॉल हो। यूफॉर्बी ओबेसा सिर्फ साउथ अफ्रीका के उत्तरी केप प्रांत के जंगलों में ही पाया जाता है। इस प्लांट को खोजने का श्रेय समरसेट पूर्व में स्थित गिल कॉलेज के वनस्पतिशास्त्री पीटर मेकोवेन को जाता है। उन्होंने पहली बार इसे 1897 में ग्राफ रैनेट के पास पाया। इसके आकार के कारण ही इसे बेसबॉल प्लांट नाम से जाना जाता है। यह दक्षिण अफ्रीका के सबसे रसीले पौधों में से एक है। इसका विकास काफी धीमी गति से होता है। इसके फली पर केवल 2-3 ही बीज होते हैं। इसकी सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है। इसकी बाहरी सतह पर लगभग आठ लकीरें उभरी हुई नजर आती हैं, जिससे इसकी सुंदरता में चार-चांद लग जाते हैं। यह देखने पर हरे रंग का प्रतीत होता है परंतु जब यह सीधे तौर पर धूप के संपर्क में आता है तो इसके लाल और बैंगनी क्षेत्र भी साफ तौर पर दिखाई देते हैं। बेसबॉल प्लांट का ऊपरी सिरा नहीं होता। इसके ऊपरी सिरे के स्थान पर छोटे-छोटे फूल होते हैं। हालांकि इसमें कांटे नहीं होते लेकिन इससे निकलने वाला दूधिया पदार्थ विषैला होता है। बेसबॉल प्लांट का डायमीटर अर्थात व्यास 6से लेकर 15 सेंटीमीटर तक होता है। इसका व्यास इसकी उम्र पर आधारित होता है। युवावस्था में इसकी आकृति गोल होती है, परंतु विकास के विभिन्न चरणों में इसका आकार बदलता जाता है। जैसे-जैसे यह बड़ा होता जाता है इसकी आकृति बेलनाकार हो जाती है। इसकी दूसरी सबसे बड़ी खूबी यह है कि बेसबॉल प्लांट में जल को संरक्षित करने की अद्भुत क्षमता होती है। गर्मी के दिनों और सूखे के समय में यह जल इनके बहुत काम आता है। हालांकि इसे अपने विकास के लिए बहुत अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती। एक समय था जब यह पौधे बहुतायत मात्रा में पाए जाते थे लेकिन इसकी सुंदरता ही इसके लिए घातक सिद्ध हुई। इनकर अवैध शिकार और संग्रह शुरू हो गया जिसके चलते आज इसकी प्रजाति संकटग्रस्त है।

बेसबॉल प्लांट का डायमीटर अर्थात व्यास 6सेमी. से लेकर 15 सेमी. तक होता है। इसका व्यास इसकी उम्र पर आधारित होता है। युवावस्था में इसकी आकृति गोल होती है, परंतु विकास के विभिन्न चरणों में इसका आकार बदलता जाता है

इनकी बची हु ई संख्या के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत से कदम उठाए जा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में केवल 500 मेच्योर बेसबॉल प्लांट ही शेष हैं। भले ही यह प्रजाति संकटग्रस्त हो लेकिन इसके पैतृक निवास स्थान पर बेसबॉल प्लांट की खेती करना लोगों के लिए आम बात है। बड़ी मात्रा में इस प्लांट की खेती, नर्सरी व बोटैनिकल गार्डन इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि बेसबॉल प्लांट की खरीद-फरोख्त और संग्रह के बावजूद भी इसे विलुप्त होने से बचाया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में विकसित भारत युवा कनेक्ट सप्ताह का शुभारंभ

जम्मू, 4 अगस्त (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में 4 अगस्त से 8 अगस्त तक चलने वाले विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। शुभारंभ अवसर पर रजिस्ट्रार प्रो. यशवंत सिंह द्वारा विकसित भारत शपथ दिलाई गई, वहीं कुलपति प्रो. संजीव जैन ने तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर निदेशक, शारीरिक शिक्षा निदेशालय, प्रो. वंदना शर्मा, विश्वविद्यालय के डीन, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. जैन ने विकसित भारत 2047 के सामूहिक दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए युवाओं से मेक इन इंडिया और स्वदेशी तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने सोशल मीडिया की लत को चुनौती बताते हुए युवाओं से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त भूमिका निभाने का आग्रह किया।

प्रो. वंदना शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं को जिम्मेदार नागरिकता, नवाचार और सामाजिक चेतना के लिए प्रेरित करने का एक राष्ट्रीय मंच है। विश्वविद्यालय द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिनमें सायकल रैली 'पैडल फॉर विकसित भारत, युवा संवाद, दीवार चित्रण, नारा लेखन और नुक्कड़ नाटक शामिल हैं। डॉ. सुधाकर, डॉ. किरण, डॉ. भवानी, डॉ. नीरेंद्र, ले. डॉ. पंकज मेहता और डॉ. अंजू थापा की अध्यक्षता में यह सप्ताहभर का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इंटर्नशिप कार्यक्रम छात्रों के लिए एक मूल्यवान अनुभव

कठुआ/हीरानगर 04 अगस्त (हि.स.)। जीडीसी हीरानगर के शिक्षा विभाग ने क्षेत्रीय शिक्षा कार्यालय हीरानगर के सहयोग से अपने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया। इंटर्नशिप के एक भाग के रूप में क्षेत्रीय शिक्षा कार्यालय द्वारा छात्र प्रशिक्षुओं को विभिन्न सरकारी स्कूलों का कार्यभार सौंपा गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को वास्तविक जीवन के शिक्षण परिदृश्यों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना और उन्हें स्कूल प्रणालियों की कार्यप्रणाली को समझने में मदद करना था। इंटर्नशिप के दौरान छात्रों को 15 दिनों की अवधि के लिए राजकीय उच्च विद्यालय और राजकीय माध्यमिक विद्यालय हीरानगर में रखा गया।

उन्होंने विभिन्न पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया और उनका अवलोकन किया, जिनमें कालीन सभाएँ, पाठ योजना और वितरण, कक्षा प्रबंधन तकनीकें, सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ और कार्यक्रम, अभिलेख रखरखाव और मूल्यांकन प्रक्रियाएँ आदि शामिल था। ये गतिविधियाँ संबंधित स्कूल प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों के समग्र पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में आयोजित की गईं जिन्होंने प्रशिक्षुओं की सीखने की प्रक्रिया को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह

इंटर्नशिप कार्यक्रम कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा खन्ना के नेतृत्व में आयोजित किया गया था और यह शिक्षा विभाग की प्रमुख प्रो. शापिया शमीम और प्रो. सुरिंदर शर्मा की संयुक्त पहल थी।

जम्मू-कश्मीर की राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग

जम्मू, 4 अगस्त (हि.स.)। अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त कर 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले पर एक बार फिर से बहस छिड़ गई है।

इसी विषय पर बोलते हुए युवा राजपूत सभा (वाईआरएस) के पूर्व प्रवक्ता और मीडिया संयोजक विशाल सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एक ऐतिहासिक रियासत रही है और वर्ष 2019 में इसे दो भागों में बांटकर केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। उस समय सरकार ने आतंकवाद और जम्मू के साथ हो रहे भेदभाव को समाप्त करने की बात कही थी और कहा था कि जब समय सही होगा, राज्य का दर्जा फिर से बहाल किया जाएगा। लेकिन अब करीब छह वर्ष बीत चुके हैं और यह वादा अधूरा ही प्रतीत हो रहा है।

विशाल सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि 1947 के बाद से जम्मू के साथ निरंतर भेदभाव हुआ है। विशेष रूप से राज्य सरकारों द्वारा डोगरा समुदाय के अधिकारों से जुड़े कई दस्तावेज और कानून, जिन्हें उनकी बहादुरी और बलिदान के आधार पर बनाया गया था, उन्हें निरस्त कर दिया गया। उन्होंने 2012-13 में तत्कालीन नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस सरकार द्वारा डोगरा सर्टिफिकेट को समाप्त किए जाने को डोगरा समुदाय के साथ खुला अन्याय बताया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती राज्य सरकारों ने जम्मू की अपेक्षा कश्मीर क्षेत्र के लिए अधिक कार्य किया और जम्मू के डोगरा समुदाय को लगातार नजरअंदाज किया गया। केंद्र सरकार द्वारा 2019 में यह कहा गया था कि जम्मू के साथ हो रहे अन्याय को समाप्त किया जाएगा, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

ग्रेटर नोएडा से शख्स के खाते में आए 1 अरब 13 लाख 55 हजार करोड़ रुपए

ग्रेटर नोएडा, 4 अगस्त। शहर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक स्थानीय व्यक्ति के बैंक खाते में अचानक 1,13,55,00,00,00,000 रुपए (1 अरब 13 लाख 55 हजार करोड़ रुपए) ट्रांसफर हो गए। इस रकम की खास बात यह है कि यह 36 अंकों की एक विशाल राशि है, जिसे देख खुद बैंक अधिकारी भी हैरान रह गए।

खाता धारक ने जब अपने खाते का बैलेंस चेक किया, तो होश उड़ गए। शुरुआत में उन्हें लगा कि यह कोई तकनीकी गलती है, लेकिन बार-बार जांच करने पर भी वही राशि दिखाई दी। इसके बाद उन्होंने तुरंत बैंक और संबंधित अधिकारियों को सूचित किया।

बैंक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में इसे एक तकनीकी गड़बड़ी माना जा रहा है, लेकिन इतनी बड़ी रकम का अचानक ट्रांसफर कई सवाल खड़े कर रहा है।

बैंक अधिकारियों के मुताबिक, यह संभवतः किसी सॉफ्टवेयर एरर या साइबर अटैक का नतीजा हो सकता है। फिलहाल खाता सील कर दिया गया है और साइबर सेल को इसकी सूचना दे दी गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बैंकिंग सिस्टम में इतनी बड़ी राशि का दिखना असामान्य है और इस पर गहन जांच की आवश्यकता है।

यह घटना सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रही है, और लोग तरह-तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं।

कुछ इसे सपने का सच होना कह रहे हैं, तो कुछ इसे बैंकिंग सिस्टम की कमजोरी बता रहे हैं।

जांच जारी है और अधिकारी जल्द ही विस्तृत रिपोर्ट जारी करने वाले हैं।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत एनएसएस स्वयंसेवकों ने तिरंगों से दीवार को सजाया

कठुआ/महानपुर 04 अगस्त (हि.स.)। पिछले दो वर्षों में हर घर तिरंगा एक जन आंदोलन बन गया है। देश भर में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने इस विचार को अपनाया है और अपनी भागीदारी के माध्यम से इसे अपना स्नेह और समर्थन दिया है। इसी क्रम में जीडीसी महानपुर की एनएसएस इकाई ने हर घर तिरंगा अभियान 2025 के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस पीओ डॉ. रूपाली जसरोटिया ने कॉलेज की प्राचार्य प्रो. संगीता सूदन की देखरेख में

किया था। हर घर तिरंगा अभियान के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों ने दीवार को सजाया। दीवार की सजावट में देशभक्ति के पोस्टर और भारतीय झंडों की रचनात्मक प्रदर्शनियाँ शामिल थीं। इन सजावटों का उद्देश्य राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना को बढ़ावा देना और उत्सव के दौरान घरों और सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता को बढ़ाना है। सभी संकाय सदस्यों ने इस अवसर पर अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यक्रम में 40 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

शांति और राष्ट्रीय एकता विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ 04 अगस्त (हि.स.)। 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय महिला डिग्री कॉलेज कठुआ ने शांति और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में शिक्षा की भूमिका विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 20 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने लेखन कौशल और देशभक्ति के जज्बे का प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में नागरिकों के बीच समझ, सहिष्णुता और साझा मूल्यों को बढ़ावा देकर शांति और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। यह कार्यक्रम 79वें स्वतंत्रता दिवस पर उन गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि थी जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और छात्रों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने में एक बड़ी सफलता थी। प्रतियोगिता में तीसरे सेमेस्टर की सुषमा और प्रथम सेमेस्टर की इमानी शरिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, सेमेस्टर तीन की तान्या ने दूसरा

और सेमेस्टर तीन की रंजू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का निर्णायक प्रोफेसर रोमिका भसीन विभागाध्यक्ष इतिहास तथा प्रोफेसर सचिनजीत सिंह विभागाध्यक्ष कंप्यूटर विज्ञान थे, जिन्होंने छात्रों के प्रयासों और रचनात्मकता की सराहना की। यह संपूर्ण गतिविधि महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सावी बहल के संरक्षण में आयोजित की गई। इस अवसर पर उपस्थित अन्य सम्मानित संकाय सदस्यों में डॉ. रचना, डॉ. अंबिका, डॉ. पूनम साम्ब्याल, डॉ. रितु कुमार शर्मा, डॉ. सोनिका जसरोटिया, डॉ. मुकेश, डॉ. उषा किरण और प्रो. विभा भारती शामिल थीं।

बनी में कार दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत एक घायल

कठुआ/बनी 04 अगस्त (हि.स.)। कठुआ जिले की पहाड़ी तहसील बनी-संदरून मार्ग पर सोमवार को एक ऑल्टो कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। जिसका उप-जिला अस्पताल बनी में इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार कठुआ के बनी क्षेत्र के संदरून मार्ग पर ऑल्टो कार नंबर पीबी02एएम-7485 अनियंत्रण होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें दो लोग सवार थे। वहीं स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए उपजिला अस्पताल बनी लाया गया जहां पर डाक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया जबकि दूसरे का इलाज जारी है। मृतक की पहचान रविंदर कुमार पुत्र सुभाष चंद्र निवासी कोटरी संदरून बनी के रूप में हुई है। जबकि घायल व्यक्ति की पहचान दरमैज सिंह पुत्र सोमराज निवासी रौलका मोरहा कलोग के रूप में हुई है, और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस बीच पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और आगे की जाँच शुरू कर दी है।

जीजीएम साइंस कॉलेज में राष्ट्रीयगान प्रतियोगिता का आयोजन

जम्मू, 4 अगस्त (हि.स.)। स्वतंत्रता दिवस समारोह की श्रृंखला के तहत जीजीएम साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय गान गायन प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भावपूर्ण अंदाज़ में राष्ट्रगान प्रस्तुत कर माहौल को गर्व और देशप्रेम से सराबोर कर दिया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार गुप्ता ने प्रतियोगिता के समापन पर सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल छात्रों की प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं बल्कि उनमें अनुशासन, एकता और राष्ट्रभक्ति जैसे मूल्यों को भी मज़बूत करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सांस्कृतिक और देशभक्ति से जुड़े आयोजन कॉलेज के उस मिशन का हिस्सा हैं, जिसके तहत युवाओं में नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों को विकसित किया जाता है।

प्रतियोगिता का संचालन एनसीसी और एनएसएस इकाइयों की सक्रिय भूमिका के चलते संभव हो पाया। एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट

(डॉ.) देविंदर कुमार शर्मा और डॉ. शफिया सलीम, तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. राहुल कैत और डॉ. नेहा शर्मा ने आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एकल गायन श्रेणी में शिखा देवी और सागर मुंडवाल ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से निर्णायकों और श्रोताओं का दिल जीतते हुए विजेता का खिताब हासिल किया। अन्य प्रतिभागियों को भी उनके उत्साह और शानदार प्रदर्शन के लिए सराहा गया।

'जम्मू-कश्मीर के लिए विशेषाधिकार सहित पूर्ण राज्य का दर्जा करें बहाल'

जम्मू, 4 अगस्त (हि.स.)। शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई ने जनता के आह्वान पर जम्मू-कश्मीर के लिए अनुच्छेद 371 के तहत विशेषाधिकारों , पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की है। इसके साथ ही पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के माध्यम से इंडिया गठबंधन की दिल्ली बैठक में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए आवाज उठाने और मोदी सरकार पर दबाव बनाने की अपील की है।

सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली को अपनाने पर बल दिया

कठुआ 04 अगस्त (हि.स.)। डीसी ऑफिस कठुआ में ऑफिस 2.0 की शुरुआत पर एक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह सत्र जिला स्तरीय अधिकारियों और मास्टर प्रशिक्षकों को उन्नत डिजिटल कार्यालय प्रबंधन प्रणाली से परिचित कराने के प्रशासन के प्रयासों का हिस्सा था।

जागरूकता-सह-प्रशिक्षण सत्र में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को कार्यालय की कार्यकुशलता में सुधार और सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली के लिए डिजिटल गवर्नेंस उपकरणों को अपनाने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। संसाधन व्यक्तियों द्वारा ई-ऑफिस पोर्टल की प्रमुख विशेषताओं, जैसे फाइल निर्माण, संचलन, ट्रैकिंग और समग्र डिजिटल वर्कफ्लो प्रबंधन पर लाइव प्रदर्शन किए गए।

अखनूर जोन में यू-19 लड़कों के लिए इंटर-स्कूल क्रिकेट ट्रायल्स आयोजित

जम्मू, 4 अगस्त (हि.स.)। युवा सेवाएं एवं खेल विभाग जोन अखनूर द्वारा सोमवार को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोहल में अंडर-19 लड़कों के लिए इंटर-स्कूल जोन स्तरीय क्रिकेट चयन ट्रायल्स का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सत्र 2025-26 की वार्षिक खेल गतिविधियों की श्रृंखला का हिस्सा था। इस ट्रायल में जोन के विभिन्न सरकारी और निजी विद्यालयों से लगभग 50 युवा क्रिकेट खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपना हुनर प्रदर्शित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता डाईरेक्टर यूथ सर्विसेज एंड स्पोर्ट्स ऑफिसरजम्मू, सुखदेव राज शर्मा ने की जबकि समग्र निगरानी की जिम्मेदारी जोनल फिजिकल एजुकेशन ऑफिसर अखनूर, अशोक कुमार ने निभाई। चयन प्रक्रिया को संचालित करने के लिए विभागीय विशेषज्ञों जतिंदर सिंह, खदीम हुसैन, राहुल देव सिंह, और सुरम सिंह की एक अनुभवी पैनल ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।

जीएचएसएस सोहल की प्रधानाचार्या, सुषमा ठाकुर ने कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में शिरकत की और सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया।

पीएम विकसित भारत रोज़गार योजना पर आयोजित किए जागरूकता सेमिनार

जम्मू, 4 अगस्त (हि.स.)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना पर केंद्रित दो जागरूकता सेमिनार आयोजित किए। ये कार्यक्रम जम्मू इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, बनतलाब और रिसर्च एंड एमआईईआर, बीसी रोड जम्मू में आयोजित किए गए। इस पहल का उद्देश्य संस्थानों को योजना की विशेषताओं से अवगत कराना और रोज़गार सृजन के क्षेत्र में इसकी परिवर्तनकारी क्षमता को उजागर करना था।

सेमिनार का नेतृत्व देविंदर सिंह और बाल कृष्ण, प्रवर्तन अधिकारी, ने किया। उन्होंने योजना के उद्देश्य, लाभ और कार्यान्वयन रणनीति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। योजना का लक्ष्य पहली बार नियोजित 1.92 करोड़ कर्मचारियों को लाभ पहुंचाना और पूरे भारत में 3.5 करोड़ से अधिक नए रोज़गार सृजित करना है, विशेष रूप से

विनिर्माण क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए।

इस मौके पर योजना की संरचना और उद्देश्य पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों के लिए लाभ, संचालन प्रक्रिया और अनुपालन ढांचा, औपचारिक रोज़गार को बढ़ावा देने में नियोक्ताओं की भूमिका आदि के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई। सेमिनार में 60-70 प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें जम्मू इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद और रिसर्च के एमडी रविश शर्मा, सीईओ नितिन महाजन, चेयरपर्सन सुमन शर्मा और प्रशासनिक अधिकारी अमित कौल तथा एमआईईआर के निदेशक अदित गुप्ता, डिप्टी रजिस्ट्रार पी.पी. शर्मा और सहायक अधिकारी अरविंद कुमार शामिल थे। प्रतिभागियों ने ईपीएफओ की इस प्रयास की सराहना की और इसे नीतियों को व्यवहार में लाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

नितिन महाजन और पी.पी. शर्मा ने इसे रोजगार सृजन और सामाजिक लाभों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने कहा कि यह योजना सही सोच और भागीदारी को प्रेरित कर सकती है। कार्यक्रम का इंटरएक्टिव फॉर्मेट और प्रस्तुति की स्पष्टता प्रतिभागियों को काफी उपयोगी लगी। ईपीएफओ, जम्मू ने भविष्य में और भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई, ताकि भारत के श्रमिक वर्ग के लिए समावेशी विकास और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE MEDICAL SUPERINTENDENT GOVT. DISTRICT HOSPITAL REASI
reasidh@gmail.com ph/fax:-01991:-245685

Notice Inviting Tender (NIT)

Sealed tenders are hereby invited from Hotels, Guest Houses and local firms engaged in the hospitality sector for providing fooding facilities for Post Graduate (PG) Medical Students deputed at District Hospital Reasi under the District Residency Programme 2025-26 from Government Medical Colleges (GMC Jammu, GMC Kashmir, etc.).

The quotations should clearly mention the unit rates for the following components:

S.No.	Component/Activity
01.	Food per PG Student/per day (as per menu).

Terms & Conditions:

- The quotations should reach the office of the **Medical Superintendent Government District Hospital Reasi** within **03 working days** from the date of publication of this notice in the newspaper.
- **Gazetted holidays and Sundays are excluded.**
- If the last day for submission falls on a holiday, the next working day will be considered as the deadline.
- **All quoted rates must be inclusive of applicable GST.**
- The undersigned **reserves the right to accept or reject** any or all tenders, in full or in part, without assigning any reason thereof.

No:-DH/Rsi/NHM/454 Dated:-01/08/2025

DIP/J-4228/25
Dtd: 4-8-2025

Sd/-
(Dr. Gopal Dutt)
Medical Superintendent
District Hospital Reasi

संपादकीय

कार्रवाई को जन-जन तक पहुँचाने के साथ जोड़ें

जम्मू शहर में अतिक्रमण के मुद्दे पर दुकानदारों और नगर निगम (जेएमसी) के कर्मचारियों के बीच हाल ही में हुआ विवाद एक ऐसी घटना है जिसे दोबारा होने से रोका जाना चाहिए। हालाँकि, अतिक्रमण हटाना जेएमसी का दायित्व था क्योंकि जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय ने हाल ही में एक लंबे समय से लंबित जनहित याचिका (पीआईएल) का निपटारा करते हुए दुकानदारों, विक्रेताओं और खाने-पीने की दुकानों द्वारा अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए व्यापक निर्देश जारी किए थे। कथित तौर पर, मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली और न्यायमूर्ति राजेश ओसवाल की पीठ ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और शहरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक रास्ते, सड़कें और गलियाँ अतिक्रमण मुक्त होनी चाहिए। विशेष रूप से, जम्मू नगर निगम (जेएमसी) को शहर भर में हर दो हफ़्ते में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाने और दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा किए गए अस्थायी और स्थायी, दोनों तरह के अतिक्रमणों को हटाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। यह तथ्य स्पष्ट करता है कि जेएमसी अपना कर्तव्य निभा रही है और ऐसा करने में कुछ भी गलत नहीं है। हालांकि अदालत के निर्देश में यह भी कहा गया है कि जम्मू के नागरिक निकाय को व्यवसाय मालिकों को सार्वजनिक स्थान पर कब्जा करने की अवैधता के बारे में शिक्षित करना चाहिए और जुर्माना, दंड और आगे की कानूनी कार्रवाई सहित परिणामों की चेतावनी देनी चाहिए। अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान जेएमसी कर्मियों और व्यापारियों के बीच टकराव को देखते हुए, कोई यह कह सकता है कि जेएमसी इस मुद्दे पर सही तरीके से जागरूकता फैलाने में विफल रही है, जिससे जम्मू शहर में उपरोक्त अभियान का विरोध हो रहा है। इसलिए यह आवश्यक है कि जेएमसी को जम्मू शहर भर में और बाहरी इलाकों में वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के मालिकों को शिक्षित करने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू करना चाहिए ताकि वे खुद से अतिक्रमण हटाना शुरू कर दें क्योंकि इससे व्यापारियों और जेएमसी के अधिकारियों के बीच आगे के टकराव को रोका जा सकेगा, क्योंकि अनावश्यक संघर्ष और टकराव पैदा करने के बजाय चीजों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करना हमेशा बेहतर होता है। उपरोक्त निर्देशों में, उच्च न्यायालय की पीठ ने पुलिस को प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान जेएमसी और जेडीए अधिकारियों को आवश्यक सुरक्षा और सहायता प्रदान करने के लिए भी कहा है, जो निश्चित रूप से किसी भी अतिक्रमण विरोधी अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि जेएमसी या जेडीए अधिकारी अतिक्रमण के मामलों में कार्रवाई करने के लिए कर्तव्यबद्ध हैं और इस पूरे मामले में कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है।

हिमालय की चेतावनी- विकास की दौड़ में विनाश की ओर बढ़ता भविष्य

पर्यटन विकास के नाम पर अब हिमाचल प्रदेश के किन्नौर, लाहौल-स्पीति जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अमीरों को मनोरंजन की खुली छूट दी जा रही है, जहां बुनियादी सुविधाएं तक मौजूद नहीं हैं। धार्मिक स्थलों की शुचिता भी अब भोग-विलास की भेंट चढ़ रही है। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल में पर्यावरण और आपदा प्रबंधन को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि मानवता के अस्तित्व से जुड़ा आपराधिक मामला है। यह स्पष्ट संकेत है कि अब समय टालने का नहीं, ठोस नीति बनाकर उसे समयबद्ध तरीके से लागू करने का है।

-डॉ. रमेश शर्मा

वर्षों से मौसम परिवर्तन और पर्यावरण संकट को लेकर वैश्विक स्तर पर गहन चिंतन और प्रयास किए जाते रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, स्थानीय बैठकों, संधियों और प्रस्तावों के अम्बार के बावजूद आज हम उस स्थिति में पहुँच चुके हैं जहां से वापसी की संभावना क्षीण हो चुकी है। अब भविष्य की पीढ़ियों को केवल इस संकट से निपटने की तैयारी सिखाई जा सकती है क्योंकि विकास की यात्रा, उल्टी दिशा में अनवरत जारी है।

हालांकि, अभी भी यह प्रयास किया जा सकता है कि हम इस विनाशकारी गति को यहीं रोकने का साहसिक प्रयास करें। सबसे बड़ी चिंता यह है कि आमजन से लेकर नीति-निर्माता तक, सभी इस पर्यावरणीय आपदा और उसके परिणामों से भली-भांति परिचित हैं, फिर भी सामूहिक रूप से आंखें मूंद रखी हैं मानो खतरा नहीं है, या यह किसी और की जिम्मेदारी है।

यह सोच कि मेरे अकेले के प्रयास से क्या फर्क पड़ेगा? या हिमालय इतना विशाल है, थोड़ा नुकसान चलता है- हमें उस गर्त की ओर ले जा रही है जहां से उबरना असंभव होगा। यह सच है कि हम आधुनिक युग में हैं, लेकिन जिस तेजी से हम प्रकृति के मूल संतुलन को तोड़ रहे हैं, वह हमें उसी आदिकाल की ओर वापस धकेल रहा है सिर्फ और सिर्फ विनाश के साथ।

पौराणिक मान्यता है कि मनु और शतरूपा से मानव सृष्टि का आरंभ हिमाचल में हुआ था। आज वही भूमि रेगिस्तान बनने की आशंका झेल रही है। वर्ष दर वर्ष बादल फटना, बाढ़, भूस्खलन, और बिजली गिरने जैसी आपदाएं बढ़ती जा रही हैं। क्या आने वाले समय में इस क्षेत्र से व्यापक पलायन और विस्थापन की त्रासदी शुरू नहीं हो जाएगी?

हिमालयी क्षेत्र की संपदा केवल पहाड़ों के लिए खतरा नहीं है, बल्कि इससे जुड़े मैदानों का जीवन और भविष्य भी दांव पर है। यदि हालात नहीं बदले, तो यही हिमालय मानव सभ्यता के लिए कब्रगाह बन सकता है। खनन, वनों की अंधाधुंध कटाई, सुरंग और फोरलेन निर्माण, बांधों की भरमार, बहुमंजिला इमारतें- ये सभी तथाकथित विकास की परियोजनाएं अब विनाश का कारण बन रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इन सबको सरकारी योजनाओं का संरक्षण और सामाजिक स्वीकृति मिल रही है।

पर्यटन विकास के नाम पर अब हिमाचल प्रदेश के किन्नौर, लाहौल-स्पीति जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अमीरों को मनोरंजन की खुली छूट दी जा रही है, जहां बुनियादी सुविधाएं तक मौजूद नहीं हैं। धार्मिक स्थलों की शुचिता भी अब भोग-विलास की भेंट चढ़ रही है। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल में पर्यावरण और आपदा प्रबंधन को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि मानवता के अस्तित्व से जुड़ा आपराधिक मामला है। यह स्पष्ट संकेत है कि अब समय टालने का नहीं, ठोस नीति बनाकर उसे समयबद्ध तरीके से लागू करने का है। ऐसी सभी विनाशकारी योजनाओं और परियोजनाओं को रोकने के लिए कानूनी दंड व्यवस्था आवश्यक है। विशेषज्ञों की एक स्वतंत्र समिति बनाकर उसकी रिपोर्ट के अनुसार योजनाओं का मूल्यांकन और कार्यान्वयन सुनिश्चित करना होगा।

अब सरकार की भूमिका केवल मलबा हटाने, शव गिनने और मुआवजा बांटने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सरकार को चाहिए कि वह एक विशेषज्ञ कार्यबल गठित करे, जो अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान सुझाए तथा उनके क्रियान्वयन की निगरानी करे। यह स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन मुख्यतः मानव निर्मित हैं, और इनका समाधान भी केवल मानव के पास ही है किसी चमत्कारी शक्ति के पास नहीं।

यह संकट केवल हिमाचल तक सीमित नहीं है, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और समूचा हिमालयी क्षेत्र इसी त्रासदी से गुजर रहा है। ऐसे में पूरे हिमालय क्षेत्र के लिए एक समग्र, ठोस और व्यावहारिक नीति बनाई जानी चाहिए जो प्रकृति और मानव के बीच संतुलन बहाल कर सके। अब वक्त है चेतने का, रुकने का और लौटने का वरना हिमालय की गोद में जीवन की जगह केवल मलबा और मौन बचेगा।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से जुड़े हैं।)

ज्ञान से मित्रता

हृदयनारायण दीक्षित

ज्ञान से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं। गीता की घोषणा है-नहि ज्ञानेन पवित्रमिह विद्यते। ऋग्वेद में 'ज्ञान' विषयक एक सूक्त ऋ0 10.71 है। 'ज्ञान' यहां एक देवता हैं। ऋग्वेद के देवता अभिभूत करते हैं। यहां पशु-पक्षी भी देवता हैं। कृषि भी देवता है। साहस मन्यु भी देवता हैं। श्रद्धा और हाथ भी देवता है। जहां-जहां दिव्यता वहां-वहां देवता। वस्तुओं मनोभावों को देवता मानने की वैदिक शैली अनूठी है। यही परम्परा ट्रक चालक भी निभाते हैं। वह गाड़ी पर बैठते ही स्टीयरिंग को प्रणाम करता है, सिर झुकाता है चल देता है। लोग ऐसे कृत्यों पर हंसते हैं। हंसना जायज है। स्टियरिंग को प्रणाम करने का कोई तुक नहीं। लेकिन ऋग्वेद में 'नमस्कार' भी देवता हैं। मूर्ति, स्टीयरिंग, किताब, पेड़ या नदी को किए गए नमस्कार का सीधा सम्बंध हमारी अंतश्चेतना से है। मूर्ति या स्टीयरिंग नमस्कार के भूखे नहीं है। वे इसका जवाब भी नहीं देते। लेकिन नमस्कार से हमारे मन और काया में रासायनिक परिवर्तन होते हैं। नमस्कार अंतःकरण को प्रीतिभाव से भरता है।

सृष्टि के प्रारम्भ में कोई एक आदि तत्व या मूलभूत द्रव्य रहा होगा। उसी से भिन्न भिन्न पदार्थो का विकास हुआ। परम तत्व एक से अनेक रूपों में हो गया। ऋषि बताते हैं अग्रं यत्प्रैरत नामधेयं दधानाः-प्रारम्भिक स्थिति में विभिन्न पदार्थो का नामकरण ही ज्ञान का प्रथम सोपान बना। इनका शुद्ध ज्ञान अनुभूति में होता है और वह अंतः प्रेरणा से प्रकट होता है। ऋ0 10.71.1 रूप देखकर नाम रखना, रूप के साथ नाम मिलाकर जानना ज्ञान की शुरूवात है। रूपों के भीतर छुपे गुण-धर्म का ज्ञान अनुभव से ही आता है। यहां अनुभव पर जोर है। जलती अग्नि या बहती हुई नदी दिखाई पड़ीं यह रूप था। नाम रखा गया अग्नि या नदी। रूप के साथ नाम याद रखना ज्ञान की प्रथम सीढ़ी है।

नाम पदार्थ नहीं है। वह वस्तु या पदार्थ का भाषिक प्रतिनिधि है। नाम और रूप मिलाकर ज्ञान बनते हैं। इसके सामाजिक बोध और ज्ञान को साझी बनाने के लिए भाषा चाहिए। भाषा सुबोध चाहिए। सुसंस्कृत भी चाहिए। ऋषि कहते हैं, सूप से सत्तू स्वच्छ करने की तरह मेधावी जन भाषा गढ़ते हैं और मित्रगण आत्मीय भाव से समझ लेते हैं। ऐसे सफल विद्वान की वाणी में लक्ष्मी का निवास होता है वही, मन्त्र 2 भाषा ज्ञानी की वाणी में सरस्वती नहीं लक्ष्मी के निवास का रूपक है। वाणी स्वयं देवी है। वह स्वयं सरस्वती है। भाषा का ज्ञान अतिरिक्त समृद्धि है। इसलिए यहां लक्ष्मी का रूपक है। आगे कहते हैं ज्ञानियों ने तत्वज्ञानियों के अंतःकरण में प्रविष्ट भाषा को प्राप्त किया। उसे प्रसारित किया। वही, मन्त्र-3 ज्ञानी को तत्वज्ञानियों से भाषा संस्कार मिले। तब उनका प्रसार हुआ।

माना जाता है कि जो प्रत्यक्ष है, वह सत्य है, वही ज्ञान है। ऋषि सतर्क करते हैं अनेक लोग देखकर भी ज्ञान नहीं पाते। अनेक लोग सुनकर भी ज्ञान नहीं पाते। लेकिन सुपात्र के सामने वाणी स्वयं ही अपना सत्य रूप प्रकट कर देती है। वही, मन्त्र 4 पढ़कर लिख देना एक शैली है। लोग ऐसे लेखकों को विद्वान कहते हैं। सुना-सुनाया दोहरा देने वाले भी ज्ञानी जैसी प्रतिष्ठा पाते हैं लेकिन ऋषि कहते हैं, शाब्दिक भावों को ग्रहण करने और उन्हें दोबारा प्रकट करने वाले प्रशंसा पाते है परन्तु उनमें से भी बहुत ऐसे हैं जो भाषा का फल अर्थ और फूल अभिप्राय नहीं जानते, ऐसे लोग दूध रहित गाय दुहते हैं। वाणी के जरिए प्रपंच करते हैं। वही मन्त्र 5 खास बात है अनुभव। अनुभूति ही ज्ञान को वास्तविक बताती है। ऋषि 'ज्ञान से मित्रता; को जरूरी बताते है जो सत्य ज्ञान की धारा से मित्रता त्याग देते हैं यस्ति त्याज सचिविदं सखायं-ज्ञान से सखा भाव नहीं रखते, उन्हें दिव्यवाणी (ज्ञान) में अपना हिस्सा नहीं मिलता। (वही-मन्त्र 6)

ऋग्वेद में एक समान ज्ञानी, एक समान श्रोत्रशक्ति सम्पन्न मेधावी भी 'एक समान' नहीं बताये गये। कहते हैं दर्शन शक्ति सम्पन्न, श्रोत्रशक्ति सम्पन्न, एक समान ज्ञान से युक्त मित्र भी अनुभव जन्य ज्ञान में एक समान नहीं होते। (वही मन्त्र 7) साथ साथ रहने वाले, आपस में मित्र, एक ही विषय में एक जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त विद्वान भी अनुभव भिन्नता के कारण एक समान नहीं हो सकते। सत्यबोध ही ज्ञान है। हम सबका इन्द्रिय बोध एक ही पदार्थ के रूप को भिन्न-भिन्न रूप में ग्रहण करता है। सत्य सदा सत्य है। सत्य 'त्रिकाल अबाधित' होता है। भूत, भविष्य और वर्तमान उस पर प्रभाव नहीं डालते। अस्तित्व सत्य है। व्यक्त भी सत्य है पर समूचा व्यक्त भिन्न-भिन्न रूपों में विभाजित जान पड़ता है। रूप प्रत्यक्ष हैं, सत्य हैं। परिवर्तनशीलता भी सत्य है। रूप का अंतस-अव्यक्त सत्य है। अव्यक्त अरूप सदा एक है।

भाषा की शक्ति बड़ी है लेकिन असीम और अनंत नहीं हैं। वस्तु, व्यक्ति या रूप का नाम लेना आसान है लेकिन चित्त में उभरने वाले भावों का वर्णन दुष्कर। परम चेतना विराट है। असीम है। परम चेतन की व्याख्या नहीं हो पाती। भाषा और शब्दों की सीमा है। तब उसकी चर्चा हो कैसे? वैदिक काव्य में परस्पर विरोधी गुणों को जोड़कर विराट को समझाने का रम्य प्रयास है। 'उसे' भाषा में समझाया नहीं जा सकता। वह अनुभूति अनिर्वचनीय है, अव्याख्येय है। उसकी व्याख्या असंभव है। पुराणों में उसे अव्याख्येय बताते हुए बड़े दिलचस्प प्रतीक गढ़े गये कि समुद्र को स्याही और हिमालय को कलम बनाकर भी उसका वर्णन नहीं हो सकता। बड़े से बड़े द्रष्टा, कवि और देवता, आदि भी उसके सामर्थ्य का वर्णन नहीं कर सकते। लेकिन ऋषियों ने उसे अनुभूति में जाना था। वे गद्गद् थे। परम उल्लास में थे। उल्लास से ही मंत्र काव्य फूटे, लेकिन विराट का वर्णन असंभव था।

विराट को समझना बड़ा कठिन है। प्रगाढ़ अनुभूति में उसका बोध हो भी जाए तो बोध को बताना और भी कठिन। पुराणों में 'गूंगे के स्वाद' का प्रतीक इस्तेमाल हुआ है। स्वाद की मधुमयता का बखान गूंगा करे तो कैसे करे? अस्तित्व की अनुभूति का बखान और भी असंभव है।

तुलसीदास ने गाया है एक दारूगत देखिय एकू/पावक सम जुग ब्रह्म विवेकू-एक अग्नि प्रत्यक्ष है, वही अग्नि गुप्त है, ब्रह्म भी ऐसा ही है, जो प्रत्यक्ष है वह ब्रह्म, जो अप्रत्यक्ष है वह भी ब्रह्म। 'व्यक्त' प्रत्यक्ष हैं, अव्यक्त में वे एक है। ऋग्वेद (10.5.7) में कहते हैं, असच्च सच्च परमें व्योमन-परम व्योम में सत् असत् दोनों हैं। सच्च/असच्च हमारी आंखे देखती हैं। इसे समझाने के लिए दो शब्दों का प्रयोग हुआ। असल बात परम व्योम है। मंत्रों के लिए कहते है ऋचा अक्षर परम व्योमन-ऋचाएं/मंत्र परम व्योम में रहते है। अव्यक्त परब्रह्म जब व्यक्त प्रकट बनता है तब सत् असत। सृष्टि का व्यक्त भाग ही इकाई में व्यक्ति है और भाषा में अभिव्यक्ति है। संसार में व्यक्त है अनंत में अव्यक्त और व्यक्त है।

ब्रह्म सम्पूर्णता का पर्यायवाची है। यह वेदांत दर्शन का प्रिय विषय है। ऋग्वेद में प्रकृति की तमाम शक्तियों को विभिन्न देवनाम दिए गये हैं। लेकिन मूल सत्य 'एकं सद्' है। उपनिषदों में ऋग्वेद की 'एकंसद' (एक ही सत्य) अनुभूति का विकास है। ऋग्वेद में उसे इन्द्र अग्नि और वरूण अदिति जैसे नाम दिए गये। उपनिषदों में उसे ब्रह्म, सच्चिदानंद, प्राण और ईश्वर जैसे अशरीरी/आधिभौतिक नामों से जाना गया। लेकिन नाम से क्या होता है? नाम रूप के साथ ज्ञान से मित्रता जरूरी है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

भारत के लिए यह दौर आर्थिक जागरण का है

दीपक कुमार द्विवेदी

भारत की आत्मा केवल यज्ञ और तपस्या की भूमि में ही नहीं बसती, वह अपने उद्यमी मानस और व्यवसायी प्रवृत्ति में भी उतनी ही प्रखरता से प्रकट होती है। सहस्राब्दियों तक यह भूमि केवल कृषि पर निर्भर नहीं रही, अपितु निर्यात-आधारित, विकेन्द्रीकृत आर्थिक व्यवस्था पर फलती-फूलती रही। यहाँ का हर ग्राम, हर नगर शिल्प और व्यापार का केन्द्र था। हमारे व्यापारी जब सुदूर समुद्रों को पार कर अपने वस्त्र, मसाले, रत्न और लघु उद्योग के उत्पाद बेचने जाते, तो वहाँ केवल व्यापार ही नहीं, अपितु सनातन संस्कृति का अमिट चिह्न भी छोड़ आते। यही कारण था कि इस्लामी आक्रमणों से पूर्व, लगभग 1000 ईस्वी में भारत विश्व की सकल घरेलू उत्पाद का 30 से 33 प्रतिशत योगदान देता था। विश्व की अर्थव्यवस्था का यह स्वर्णयुग भारतीय श्रम, प्रतिभा और उद्यमिता का प्रत्यक्ष प्रमाण था।

किन्तु समय का प्रवाह बदलता गया। मुग़ल काल आते-आते यह आँकड़ा घटकर 24 प्रतिशत पर आ गया। फिर अंग्रेजों के दो सौ वर्षों के शासन ने भारत को उस स्थिति में पहुँचा दिया कि 1947 में हमारा वैश्विक योगदान मात्र 4.2 प्रतिशत रह गया, और औद्योगिक उत्पादन में भारत का हिस्सा 25 प्रतिशत से गिरकर केवल 2 प्रतिशत तक सीमित हो गया। यह कोई प्राकृतिक घटना नहीं थी, न ही ब्राह्मणों के रोज़गार छीनने का परिणाम। यह सुनियोजित औपनिवेशिक लूट थी, जिसने भारत की आत्मनिर्भरता की रीढ़ तोड़ दी।

अंग्रेजों के आगमन से पूर्व प्रत्येक गांव आत्मनिर्भर था—लोहार अपने औजार गढ़ता, कुम्हार मिट्टी को सोना बनाता, बुनकर हाथों से विश्वविख्यात वस्त्र बुनता, वैद्य लोकसेवा में समर्पित रहता। किन्तु 1813 के चार्टर एक्ट ने भारत के हस्तशिल्प पर भारी करों का बोझ डाला और ब्रिटिश मिलों में बने कपड़े यहाँ बिना शुल्क के थोप दिए गए। परिणाम यह हुआ कि 1830 के दशक तक हजारों बुनकर और शिल्पकार अपनी आजीविका खो बैठे। इतिहास साक्षी है, बंगाल में घरों के हाथ काट दिए गए ताकि इंग्लैंड के कपड़ा उद्योग के सामने भारतीय वस्त्रकार कोई चुनौती न रह जाए। इस बीच अकालों की त्रासदी ने देश को झकझोर दिया। 1770, 1870-78 और 1897-1900 के बीच आए अकालों में लगभग 3 करोड़ लोग भूख से मर गए, जबकि भारत के अनाज का निर्यात ब्रिटेन होता रहा। औपनिवेशिक नीतियों ने समृद्ध ग्राम्य उद्योगों को समाप्त कर भारत को कच्चे माल का गुलाम बना दिया।

आज जब विश्व राजनीति के सबसे शक्तिशाली मंच से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड इकोनॉमी' कहने का दुस्साहस करते हैं, और भारत की संसद के बाहर राहुल गांधी उसी स्वर में कहते हैं कि ट्रंप सही कह रहे हैं, भारत की अर्थव्यवस्था डेड है; तब यह कथन करते हुए राहुल गांधी उस ऐतिहासिक भूल की प्रतिध्वनि दोहराते हैं, जो स्वतंत्रता के पश्चात् इस देश की आर्थिक दिशा निर्धारण में की गई थी और जिसकी कीमत आज भी हम चुका रहे हैं। भारत की स्वतंत्रता का क्षण केवल राजनीतिक दासता से मुक्ति का उत्सव नहीं था। वह उस राष्ट्र के पुनरुत्थान का व्रत था जिसने सहस्राब्दियों तक ज्ञान, विज्ञान और समृद्धि का प्रकाश पूरी दुनिया में फैलाया था। परंतु दुर्भाग्य यह रहा कि 1947 में मिली आज़ादी के बाद जिस मार्ग का चुनाव किया गया, उसने इस स्वर्णिम परंपरा को पुनर्जीवित करने के बजाय आर्थिक जकड़न और समाजवादी ठहराव की गहराई में धकेल दिया।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने सोवियत मॉडल को आर्थिक न्याय का साधन मानकर अपनाया। उद्योग-व्यवसायों पर सरकारी शिकंजा कस दिया गया। हर नवाचार, हर निवेश सरकारी लाइसेंस और अनगिनत हस्ताक्षरों की दया पर निर्भर हो गया। उद्यमी अपराधी समझे जाने लगे, व्यापार को शोषण का प्रतीक बताया जाने लगा। 1970 और 80 के दशक में जब पूरी दुनिया औद्योगिक क्रांति की नई लहर पकड़ रही थी, भारत 2-3 प्रतिशत की वृद्धि दर में सड़ रहा था। महंगाई 20-25 प्रतिशत तक पहुँच चुकी थी। कर-प्रणाली इतनी अन्यायपूर्ण थी कि एक लाख रुपये कमाने वाला 98 हजार रुपये टैक्स में चुका देता। शेष बचे जीवन को लालफीताशाही और भ्रष्टाचार चूस लेते।

डॉ. आम्बेडकर ने कहा था, राज्य की नीतियां समय और परिस्थितियों के अनुसार जनता को स्वयं तय करनी चाहिए, इसे संविधान में बांधना लोकतंत्र को नष्ट कर देगा। फिर भी आपातकाल (1975-77) के अंधकार में 42वां संविधान संशोधन लाया गया, जिसमें 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जबरन जोड़े गए। विपक्ष जेलों में ठूंस दिया गया, मीडिया पर सेंसरशिप लगी, और लोकतंत्र की आत्मा को कुचल दिया गया। यह वही कालखंड था जब भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व की सबसे धीमी गति की 'डेड इकोनॉमी' कहा जाने लगा। 1947 से 1990 तक विकास दर 3 प्रतिशत से अधिक कभी नहीं हुई, महँगाई दर 20-25 प्रतिशत पर पहुँच गई, टैक्स संरचना इतनी दमनकारी थी कि आय का 90-98 प्रतिशत तक करों में चला जाता था। इस आर्थिक मृत्यु का सामाजिक प्रभाव भी कम भयानक नहीं था। सरकारी नौकरी जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि बन गई। विवाह संबंध उसी पर आधारित होने लगे। सरकारी दूल्हा दुर्लभ वस्तु की तरह था और उसकी कीमत दहेज में चुकाई जाती थी। जो परिवार यह कीमत न चुका सके, उनकी बेटियों को मिटा दिया जाता। 70 और 80 के दशक में दहेज हत्याओं की बाढ़ आ गई। एक पूरी पीढ़ी ने यह राक्षसी दौर देखा, और उसी विष को संस्कारों के रूप में अपनी अगली पीढ़ियों में उड़ेल दिया। समाजवाद केवल अर्थव्यवस्था का नहीं, मनुष्यता का भी हत्यारा साबित हुआ।

जब चीन 1977-78 में अपनी कृषि और उद्योग को दुनिया के लिए खोलने का साहस कर रहा था, भारत सत्ता की कुर्सियों पर बैठे नेताओं की दूरदृष्टिहीनता में जकड़ा रहा। 1985 तक दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएँ बराबर थीं। पर 2009 तक चीन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का 25 प्रतिशत हिस्सा बन गया और भारत अब भी समाजवाद की लाश ढो रहा था। 1991 में जब भारत दिवालियेपन की कगार पर पहुँचा, तब मजबूरी में उदारीकरण हुआ। पी.वी. नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारों ने सुधारों की नींव डाली। मगर 2004 से 2014 तक कांग्रेस की यूपीए सरकार ने इन्हें रोक दिया। सुधारों पर एनएसी जैसी संस्थाओं ने कुंडली मारकर बैठना शुरू किया। निवेशक भाग गए, उद्यमिता फिर दम तोड़ने लगी।

जब सरकारी नौकरी ही जीवन का चरम आदर्श बन गई, और निजी उद्यमिता दम तोड़ने लगी, तब समाज में एक विकृत संस्कृति का जन्म हुआ। विवाह के बाजार में सरकारी वर की कीमत बढ़ी, दहेज की प्रथा दानव बन गई। 1970-80 के दशक में दहेज के नाम पर बहुओं को जलाने की घटनाएँ बाढ़ की तरह बढ़ीं। भ्रूणहत्या और स्त्रियों के प्रति हिंसा बढ़ी। यही वह बीज था, जिसने आज के समाज में रिश्तों की कठोरता, धनलोलुपता और मूल्यहीनता को जन्म दिया। समाजवाद ने न केवल अर्थव्यवस्था का, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों का भी संहार कर दिया है।

डीपीएल 2025 में यश धुल ने जड़ा पहला शतक, सेंट्रल दिल्ली किंग्स की शानदार जीत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के दूसरे संस्करण में अरुण जेटली स्टेडियम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स के यश धुल ने शानदार शतक जड़कर टूर्नामेंट का पहला सैकड़ा लगाया और अपनी टीम को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स पर 8 विकेट से जीत दिला दी। 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए यश धुल ने 56 गेंदों में नाबाद 101 रनों की पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल थे। धुल की यह आक्रामक लेकिन संयमित बल्लेबाज़ी पूरे मैच का आकर्षण रही और उन्होंने सेंट्रल दिल्ली की जीत सुनिश्चित कर दी। ओपनर युगल सैनी ने तेज 36 रन (24 गेंद) बनाकर शुरुआत में लय पकड़ाई, वहीं कप्तान जोंटी सिद्धू ने अंत तक टिककर 23* रन (19 गेंद) बनाए और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने 20 ओवर में 174/7 रन बनाए। सार्थक रंजन ने 60 गेंदों में 82 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि अर्नव बग्गा ने 43 गेंदों में तेज 67 रन बनाकर स्कोर को मजबूत किया। दोनों के बीच अहम साझेदारी ने टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के 7वें दिन मध्यप्रदेश, झारखंड, चंडीगढ़ और दादरा-नागर हवेली की शानदार जीत

चेन्नई। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में चल रही 15वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के सातवें दिन डिवीजन 'ए' के मुकाबलों में हॉकी मध्यप्रदेश, हॉकी झारखंड, हॉकी चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन और दीव हॉकी ने शानदार जीत दर्ज की। पूल चरण के मुकालबों की बात करें तो मध्यप्रदेश की टीम ने दिल्ली के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 9-0 से जीत हासिल की। करन गौतम ने 5 गोल (8', 14', 32', 35', 38') कर टीम को बढ़त दिलाई। उनके अलावा मीज़ान-उर-रहमान (18'), आशिर आदिल खान (25'), अंश बहरूत्रा (27') और अयान शेर खान (47') ने भी गोल किए। एक अन्य रोमांचक मुकाबले में चंडीगढ़ ने महाराष्ट्र को 3-2 से हराया। पहले क्वार्टर में महाराष्ट्र ने रेहान शफी खान (7') और एथन डी'सूज़ा (8') के गोल से बढ़त ली, लेकिन अमित सिंह (45'), कप्तान साहिल दुहान (51') और परांबीर सिंह (55') के गोलों से चंडीगढ़ ने दमदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। वहीं, झारखंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक को 8-0 से मात दी। अमित कोंगरी (18', 46', 51') और किरो साबियन (24', 36') ने बहुप्रभावी भूमिका निभाई। अनिश दुंगडुंग (13'), सुबोध टोपनो (53') और गगना टोपनो (58') ने भी स्कोर में योगदान दिया।

एशियाई रग्बी चैंपियनशिप से बिहार बनाएगा नई पहचान : राहुल बोस

पटना/राजगीर। बिहार खेल क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पड़ाव पर खड़ा है। 9 और 10 अगस्त को राजगीर में पहली बार अंडर-20 एशियन रग्बी सेवन्स चैंपियनशिप-2025 का आयोजन होने जा रहा है। इस पर रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने बयान जारी कर कहा कि इस आयोजन से रग्बी को नई पहचान मिलेगी और बिहार का खेल मानचित्र पर एक नया मुकाम स्थापित होगा। अंडर-20 एशियन रग्बी सेवन्स चैंपियनशिप-2025 में 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इस भव्य आयोजन को लेकर देश के जाने-माने फिल्म अभिनेता और रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा, हमें बहुत खुशी हो रही है कि अंडर-20 एशियन रग्बी सेवन्स चैंपियनशिप का संस्करण बिहार में आयोजित हो रहा है। यह आयोजन राज्य में खेल के प्रति बढ़ती जागरूकता और बेहतर होती बुनियादी संरचना का प्रमाण है। राहुल बोस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में खेलों के क्षेत्र में हो रहे विकास की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजगीर में बना स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है, जहां खिलाड़ियों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं। नीतीश सरकार ने रग्बी समेत सभी खेलों के लिए जो इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है, वह काबिल-ए-तारीफ है।

ब्रुक का कैच छोड़ने पर कार्तिक ने की सिराज की आलोचना, उन्होने गेंद को ठीक से नही परखा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को लंदन के केनिंग्टन ओवल में चौथे दिन के खेल के पहले सत्र में हैरी ब्रूक के कैच की उम्मीद नही थी। 35वें ओवर में कृष्णा ने एक शॉर्ट गेंद फेंकी। ब्रूक शॉट पर नियंत्रण नहीं रख पाए और गेंद ऊपरी किनारा लेकर लॉन्ग लेग पर खड़े फील्डर के पास चली गई। सिराज ने दोनो हाथो से कैच तो लिया लेकिन पीछे चले गए जिससे वह बाउंड्री से छू गए। सिराज अपने किये से निराश थे। कृष्णा और स्लिप में खड़े केएल राहुल ने जश्न मनाना शुरू कर दिया था लेकिन जल्द ही यह उनके लिए एक दुखद क्षण बन गया। कार्तिक ने बताया कि सिराज गेंद फेंकने से पहले मसाजिस्ट और अर्शदीप सिंह से बात करने में व्यस्त थे क्योंकि वह अभी-अभी मैदान पर वापस आए थे। कार्तिक ने कहा, सिराज और प्रसिद्ध ने जी जान से गेंदबाजी की, इसमें कोई शक नही।

एएआई ने की आर्चरी लीग के पहले संस्करण की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाजी को नई उड़ान देने के लिए आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) ने देश की पहली फ्रेंचाइज़ी आधारित आर्चरी लीग की घोषणा की। यह लीग भारत ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर तीरंदाजी को एक नया पेशेवर मंच प्रदान करेगी, जिसमें भारत और विदेश के शीर्ष रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज़ भाग लेंगे। लीग का उद्देश्य भारतीय तीरंदाजों को ओलंपिक जैसे दबाव वाले माहौल में प्रदर्शन करने का अवसर देना है, जिससे उनका आत्मविश्वास और अनुभव दोनों बढ़े। छह फ्रेंचाइज़ी टीमों में बंटे इन खिलाड़ियों के बीच मुकाबले दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अक्टूबर में 11 दिनों तक खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में रिकर्व तीरंदाज़ 70 मीटर और कंपाउंड तीरंदाज़ 50 मीटर की दूरी से, फ्लडलाइट्स में

निशाना लगाएंगे–जो विश्व तीरंदाजी में पहली बार देखा जाएगा। एएआईअध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, यह केवल एक लीग नहीं है, बल्कि उन हजारों ग्रामीण तीरंदाजों का सपना है, जो वर्षों से एक बड़े मंच की प्रतीक्षा कर रहे थे। यह मंच उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपने हुनर को दिखाने का अवसर देगा। एएआईके महासचिव वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा, भारतीय तीरंदाज़ों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार देश का नाम रोशन किया है। क्रिकेट और कबड्डी जैसी लीगों से प्रेरणा लेकर हमने यह आर्चरी लीग शुरू की है, जो खिलाड़ियों को ओलंपिक स्तर की तैयारी के लिए मदद करेगी। वर्ल्ड आर्चरी के महासचिव टॉम डीलन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, यह लीग भारतीय और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज़ों को प्रतिस्पर्धी वातावरण में खुद को बेहतर करने का शानदार अवसर देगी। इस लीग को वर्ल्ड आर्चरी, वर्ल्ड आर्चरी एशिया और भारत सरकार के खेल मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है। आयोजकों का लक्ष्य है कि यह लीग भारत को तीरंदाजी के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करे।

ओवल टेस्ट का चौथा दिन: इंग्लैंड 339/6, भारत को जीत के लिए 4 विकेट की दरकार

एजेंसी

लंदन। केनिंग्टन ओवल में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट का चौथा दिन बेहद रोमांचक मोड़ पर खत्म हुआ। इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 339 रन बना लिए हैं। खराब रोशनी और फिर बारिश के चलते दिन का खेल समय से पहले खत्म कर दिया गया। अब इंग्लैंड को जीत के लिए सिर्फ 35 रन और भारत को 4 विकेट की जरूरत है।दिन का खेल जल्दी ही रुक गया था, जब जेमी स्मिथ 02 रन और जेमी ओवर्टन बिना खाता खोले क्रीज पर थे। इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी की थी और इंग्लैंड के तीन अहम विकेट जल्दी गिराए, जिससे मुकाबला फिर से संतुलन में आ गया।इंग्लैंड ने चौथे दिन 50/1 से आगे खेलना शुरू किया और उसे जीत के लिए 324 रनों की जरूरत थी। हालांकि दिन की शुरुआत में ही भारत को सफलता मिली जब बेन डकेट (54) और ऑली पोप (27) को क्रमशः प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने पवेलियन भेजा। तीन विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड की पारी को जो रूट और हैरी ब्रूक ने संभाला। दोनों के बीच हुई 195 रनों की साझेदारी ने भारत को बैकफुट पर डाल दिया। ब्रूक ने 113 के स्ट्राइक रेट से 111 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, जबकि जो रूट ने भी संयम और अनुभव के साथ खेलते हुए शतक पूरा किया। 301 के स्कोर पर ब्रूक के आउट होने के बाद इंग्लैंड की पारी लड़खड़ाने लगी। जैकब बैथेल सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुए और फिर जो रूट (105) भी सिराज का शिकार बने।

टोरंटो मास्टर्स : बेन शेल्टन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, डी मिनौर से होगा सामना

एजेंसी

टोरंटो। अमेरिका के चौथे वरीय खिलाड़ी बेन शेल्टन ने इटली के 13वें वरीय फ्लावियो कोबोली को हराकर नेशनल बैंक ओपन (टोरंटो मास्टर्स) के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। रविवार रात खेले गए इस मुकाबले में शेल्टन ने 6-4, 4-6, 7-6 (1) से रोमांचक जीत दर्ज की 22 वर्षीय शेल्टन तीसरे सेट में 2-4 से पिछड़ रहे थे, लेकिन वहां से शानदार वापसी करते हुए उन्होंने मुकाबला टाईब्रेक तक ले जाकर जीत हासिल की। यह उनकी करियर की 100वीं जीत रही, जिसे उन्होंने 169 मुकाबलों में हासिल किया है।

मैच के बाद शेल्टन ने कहा, बहुत मुश्किल मुकाबला था। मैं तीसरे सेट में एक ब्रेक से पीछे था और जिस तरह वह खेल रहा था, उससे मैं काफी दबाव में था। लेकिन मैंने खुद को एक और मौका दिया और उसका फायदा उठाया। अब क्वार्टरफाइनल में शेल्टन का सामना ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी

मिनौर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के सातवें वरीय फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। शेल्टन के नाम दो एटीपी टूर खिताब हैं - एक 2023 में टोक्यो के हार्ड कोर्ट पर और एक 2022 में ह्यूस्टन के क्ले कोर्ट पर। उन्होंने कहा, मैं अपने दो सबसे बड़े हथियार सर्व और फोरहैंड से जूझ रहा था, लेकिन आखिरी में मानसिक मजबूती और फाइटिंग स्पिरिट ने काम किया। इस बीच, रूस के छठे वरीय आंद्रेई रूब्लेव को स्पेन के अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना के रिटायर होने से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिला। रूब्लेव 6-7 (3), 7-6 (2), 3-0 की बढ़त पर थे जब फोकीना थकान के कारण मैच से हट गए। अब रूब्लेव का सामना अमेरिका के दूसरे वरीय टेलर फ्रिट्ज़ और चेक गणराज्य के जिरी लेहेचका के बीच विजेता खिलाड़ी से होगा।

डीपीएल 2025: रन बरसात वाले मुकाबले में न्यू दिल्ली टाइगर्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 40 रन से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली प्रीमियर 2025 लीग (डीपीएल) का एक और हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिला, जिसमें न्यू दिल्ली टाइगर्स और आउटर दिल्ली वॉरियर्स के बीच रोमांचक टक्कर हुई। बल्लेबाज़ों की आतिशी पारी और मैच के उतार-चढ़ाव ने दर्शकों को पूरी तरह रोमांचित कर दिया।टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए न्यू दिल्ली टाइगर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर ध्रुव कौशिक केवल 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि इसके बाद शिवम गुप्ता और कप्तान हिम्मत सिंह ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 164 रनों की शानदार साझेदारी की। शिवम गुप्ता ने 53 गेंदों में 8 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 89 रन बनाए, जबकि हिम्मत सिंह ने 39 गेंदों में 69 रनों की आक्रामक पारी खेली। बीच में कुछ जल्दी विकेट जरूर गिरे, लेकिन केशव डालाल ने 9 गेंदों में 19 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर स्कोर को मजबूत किया। टाइगर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 222/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

गेंदबाज़ी में आउटर दिल्ली वॉरियर्स की ओर से अंशुमान हूडा ने

शानदार प्रदर्शन करते हुए 51 रन देकर 5 विकेट चटकाए और सभी को प्रभावित किया। जवाब में आउटर दिल्ली वॉरियर्स की शुरुआत तेज़ रही। ओपनर प्रियांश आर्य (26 रन, 15 गेंद) और सनत सांगवान (48 रन, 42 गेंद) ने सिर्फ 5.4 ओवर में 69 रन जोड़कर मजबूत नींव रखी। लेकिन मध्य ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। श्रेष्ठ यादव (37* रन, 33 गेंद) ने एक छोर संभाले रखा और ध्रुव सिंह (38* रन, 16 गेंद) ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाए, लेकिन लक्ष्य बहुत बड़ा साबित हुआ। आखिर में वॉरियर्स 40 रन से मुकाबला हार गए। इस जीत के साथ न्यू दिल्ली टाइगर्स ने डीपीएल 2025 के दूसरे संस्करण में एक और महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

न्यू दिल्ली टाइगर्स - 222/7 (20 ओवर): शिवम गुप्ता 89 (53), हिम्मत सिंह 69 (39), अंशुमान हूडा 5/51

आउटर दिल्ली वॉरियर्स - 182/4 (20 ओवर)= सनत सांगवान 48 (42), ध्रुव सिंह 38* (16), आत्रे य त्रिपाठी 2/15

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी अनिश्चितकाल के लिए मैदान से बाहर रहेंगे

एजेंसी

मियामी। इंटर मियामी के कप्तान और अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को दाहिने पैर में मांसपेशियों में चोट लगी है, जिसके कारण वह अनिश्चितकाल के लिए मैदान से बाहर रहेंगे। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) क्लब इंटर मियामी ने एक बयान में जानकारी दी कि 38 वर्षीय मेसी को यह चोट शनिवार को लीग्स कप के मुकाबले में नेकाक्सा (मेक्सिको) के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट से पहले लगी। वह मैच की शुरुआत में ही 11वें मिनट में मैदान से बाहर चले गए, हालांकि वह अपने पैरों पर चलकर लॉकर रूम पहुंचे। बयान में कहा गया, ÷मेसी की मांसपेशियों में तकलीफ की गंभीरता जानने के लिए उनका मेडिकल परीक्षण किया गया। रिपोर्ट में दाहिनी जांघ में मामूली चोट की पुष्टि हुई है। उनकी वापसी का समय उनके इलाज और रिकवरी पर निर्भर करेगा। इसका मतलब है कि

मेसी के मैदान पर लौटने को लेकर फिलहाल कोई निश्चित समय तय नहीं है। मेसी ने इस एमएलएस सीजन में 18 मैचों में 18 गोल और 9 असिस्ट किए हैं और वह लीग में संयुक्त रूप से टॉप स्कोरर हैं। मैच के अंतिम पलों में गोल कर मुकाबले को पेनल्टी शूटआउट तक ले जाने वाले जोर्डी आल्बा ने कहा, ÷मेसी का चोटिल होकर बाहर जाना टीम के लिए बहुत बड़ा झटका है। पूरी टीम बेहद दुखी है। इंटर मियामी इस सीजन 22 में से 12 मैच जीत चुकी है और 42 अंकों के साथ ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पांचवें स्थान पर है। टीम फिलाडेल्फिया से 8 अंक पीछे है, लेकिन उसके पास 3 मैच अतिरिक्त हैं। अगर मेसी लंबे समय तक बाहर रहते हैं तो यह इंटर मियामी के लिए लीग्स कप 2025 में बड़ा नुकसान हो सकता है, खासकर जब टीम 2023 में उनके आने के तुरंत बाद यह खिताब जीत चुकी है। इंटर मियामी बुधवार को यूएनएएम पूमास के खिलाफ अगला मुकाबला खेलेगी। टीम ने अब तक पांच अंक जुटाकर नॉकआउट चरण में पहुंचने की मजबूत स्थिति बना ली है और यह जीत उन्हें सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचा सकती है।

रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप ट्रायल्स: 53 किलो में अंतिम पंघाल का जलवा, मनिशा और वैश्नवी भी क़ामयाब

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी स्टेडियम में हुए महिला वर्ग के विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ट्रायल्स में अंतिम पंघाल (53 किग्रा) ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित किया।

उन्होंने बिना कोई अंक गंवाए फाइनल तक का सफर तय किया और भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की की। सिर्फ 20 साल की उम्र में सीनियर वर्ल्ड्स, एशियन गेम्स और एशियन चैंपियनशिप्स में मेडल जीत चुकी अंतिम ने मध्य प्रदेश की पूजा और गुजरात की हीनाबेन को आसानी से हराया। पूजा के खिलाफ उन्होंने शुरू में ही 'फीटले' मूव का इस्तेमाल करते हुए 6-0 की बढ़त ली, जिससे पूजा चोटिल होकर मुकाबला पूरा नहीं कर सकीं। फाइनल में हीनाबेन को उन्होंने दाएं पैर के अटैक से परास्त किया।

गौरतलब है कि 2022 में वह भारत की पहली अंडर-20 विश्व चैंपियन बनी थीं और पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी क्वालिफाई किया था। हालांकि, ओलंपिक में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उनके द्वारा अपनी बहन को एक्रिडिटेशन कार्ड पर गेम्स विलेज भेजने को लेकर विवाद भी खड़ा हुआ। इस पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार किया लेकिन अंततः रोक लगा दी। हाल ही में उन्होंने विदेशी कोच के साथ ट्रेनिंग की मांग की थी जिसे डब्ल्यूएफआई ने खारिज कर दिया और उन्हें नेशनल कैंप में अभ्यास करने को कहा।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने जीती प्रीमियर लीग समर सीरीज

एजेंसी

वाशिंगटन। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एवर्टन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला और प्रीमियर लीग समर सीरीज 2025 का खिताब अपने नाम किया। इस ड्रॉ के साथ यूनाइटेड ने अमेरिका में हुई राउंड-रॉबिन प्री-सीजन सीरीज में कुल सात अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले टीम वेस्ट हैम को 2-1 और बॉर्नमाउथ को 4-1 से हरा चुकी थी। मैच में 19वें मिनट में अमद डायलो को बॉक्स में गिराए जाने पर यूनाइटेड को पेनल्टी मिली, जिसे ब्रूनो फर्नांडिस ने गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। 40वें मिनट में एवर्टन के इलिमन नदियाए ने बराबरी का गोल किया। दूसरे हाफ में ब्रूनो ने एक और योगदान दिया, जब उन्होंने 69वें मिनट में मेसन माउंट को शानदार पास दिया और माउंट ने पिकफोर्ड को चकमा देकर गोल दागा। हालांकि, 75वें मिनट में अमद डायलो की

बैक पास यूनाइटेड के ही आयडन हेवन से टकराकर गोल में चली गई और मैच 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। मैच के बाद स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए यूनाइटेड के खिलाड़ी ब्रूनो फर्नांडिस ने कहा, स्थिति में सुधार हो रहा है। क्लब अपनी पूरी कोशिश कर रहा है। हमें प्रतिस्पर्धा की जरूरत थी ताकि हर खिलाड़ी अपनी जगह के लिए संघर्ष करे। उन्होंने आगे कहा कि क्लब और मैनेजर लगातार सुधार की दिशा में काम कर रहे हैं और एक-दो नए खिलाड़ियों की उम्मीद अभी बाकी है। गौरतलब है कि मैनचेस्टर यूनाइटेड का पिछला सीजन बेहद खराब रहा था, जब टीम प्रीमियर लीग में 15वें स्थान पर रही थी – जो 1973-74 में हुए निर्वासन के बाद सबसे खराब प्रदर्शन था। उस सीजन में टीम ने सिर्फ 11 मैच जीते थे और 9 ड्रॉ खेले थे। फर्नांडिस ने कहा, कई लोगों को इस प्रदर्शन से दुःख हुआ है। फैंस टिकट के लिए ज़्यादा पैसे खर्च करते हैं और हमें उनकी क़द्र है। अब खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है कि वे मैदान पर प्रदर्शन से उसका जवाब दें। उन्होंने क्लब संस्कृति पर भी जोर दिया और कहा, हर छोटी बात मायने रखती है। इस क्लब की संस्कृति जीतने की रही है और हमें उसे वापस लाना होगा। समर सीरीज के एक अन्य मुकाबले में वेस्ट हैम ने बोर्नमाउथ को 2-0 से हराया। टीम के लिए निक्लास फुलक्रग और जारोड बोएन ने गोल किए। दोनों ही गोल सेनेगल के लेफ्ट-बैक एल हाजी मलिक दीयूफ की शानदार सेट-अप पास से आए, जो 15 जुलाई को ही टीम से जुड़े हैं।

जो रूट ने कुमार संगकारा को पछाड़ा, टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों में चौथे स्थान पर पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। लंदन के ओवल मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के चौथे दिन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने अपने टेस्ट करियर का 39वां शतक जड़ा। उन्होंने यह शतक 137 गेंदों में पूरा किया और इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा (38 शतक) को पीछे छोड़ते हुए चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब रूट से आगे सिर्फ तीन दिग्गज बल्लेबाज हैं – भारत के सचिन तेंदुलकर (51 शतक), दक्षिण अफ्रीका के जाक कैलिस (45 शतक) और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (41 शतक)। रूट ने अपनी पारी के दौरान एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) इतिहास में 6,000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। जो रूट के नाम अब टेस्ट क्रिकेट में 13,500 से ज्यादा रन दर्ज हैं, और वह टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वह अब सचिन तेंदुलकर के 15,921 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने की दिशा में तेजी

से बढ़ रहे हैं।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज (अब तक):

1. सचिन तेंदुलकर - 51 शतक (329 पारियां)
2. जाक कैलिस - 45 शतक (280 पारियां)
3. रिकी पोंटिंग - 41 शतक (287 पारियां)
4. जो रूट - 39 शतक (288 पारियां)
5. कुमार संगकारा - 38 शतक (233 पारियां)

डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर : मानुष-दीया की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स में उपविजेता

एजेंसी

फोज डो इगुआकू (ब्राज़ील)। भारत की शीर्ष वरीय जोड़ी मानुष शाह और दीया चितले को ब्राज़ील में आयोजित डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर फोज डो इगुआकू टूर्नामेंट के मिक्स्ड डबल्स फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को जापान के क्वालिफायर खिलाड़ी सतोशी आइडा और होनोका हाशिमोतो के हाथों 2-3 (4-11, 11-8, 11-5, 5-11, 2-11) से शिकस्त मिली। यह इस सीज़न में मानुष शाह और दीया चितले की दूसरी फाइनल उपस्थिति थी। इससे पहले दोनों ने ट्यूनिस में हुए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट में खिताब अपने नाम किया था। इस टूर्नामेंट में मानुष शाह ने पुरुष डबल्स में भी शानदार प्रदर्शन किया। वह अपने जोड़ीदार मानव ठक्कर के साथ फाइनल तक पहुंचे, लेकिन खिताबी मुकाबले में जर्मनी के बेनेडिक्ट डुडा और डैंग क्यू की दूसरी वरीय जोड़ी से 2-3 (3-11, 11-7, 7-11, 15-13, 5-11) से हार गए। यह मुकाबला 42 मिनट तक चला। वहीं महिला एकल वर्ग में भारत की मनिका बत्रा क्वार्टरफाइनल में जापान की हाशिमोतो से 0-3 (7-11, 6-11, 7-11) से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। इससे पहले मनिका ने दक्षिण कोरिया की किम नायॉन्ग को 3-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई थी।

प्रयागराज की आरोही और आयुषी फर्राटा दौड़ में रहीं प्रथम

प्रयागराज। सीबीएससी क्लस्टर-5 एथलेटिक्स मीट के तीसरे दिन खेलगांव की आरोही सिंह बालिका वर्ग में अंडर-14 आयु वर्ग की 200 मीटर और आर्मी पब्लिक स्कूल की आरूषि सिंह ने अंडर-19 आयु वर्ग की 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालक अंडर-17 वर्ग में किंग्स किंगडम मऊ के गोपाल यादव ने 100 और 200 मीटर में प्रथम रहते हुए दोहरी सफलता अर्जित की।

मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में सम्पन्न मुकाबलों में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले इस प्रकार हैं:-

--बालक वर्ग (अंडर-14) 100 मीटर दौड़-अश्वन यादव (वाराणसी), अंशुमान राय (वाराणसी), प्रांशु शुक्ला (शक्तिनगर), 200 मीटर दौड़-अंशुमान राय (वाराणसी), प्रांशु शुक्ला (शक्तिनगर), अश्वन यादव (वाराणसी) रहे। (अंडर-17) = 100 मीटर दौड़-गोपाल यादव (मऊ), दिव्य ज्योति (वाराणसी), मयंक यादव (वाराणसी)। 200

मीटर दौड़-गोपाल यादव (मऊ), मयंक यादव (वाराणसी), राज रतन पाल (वाराणसी)। 400 मीटर दौड़-देवांश प्रताप (वाराणसी), पुनीत कुमार (वाराणसी), किशन यादव (वाराणसी)। 800 मीटर दौड़-आदित्य कुमार (वाराणसी), पुनीत कुमार (वाराणसी), अनुज (कौशाम्बी)। तिहरी कूद-सत्यांश यादव (जौनपुर), आयुष कुमार (वाराणसी), शिवम कुमार (वाराणसी)। (अंडर-19): 200 मीटर दौड़-पवन कुमार (वाराणसी), अभय यादव (प्रयागराज), प्रेम कुमार राम (गाजीपुर)। 400 मीटर दौड़-राज निगम (अम्बेडकर नगर), अभिषेक वर्मा (अयोध्या), सूर्य प्रताप सिंह (प्रयागराज)। 800 मीटर दौड़-सिद्धार्थ पांडेय (अयोध्या), विवेक कुमार (अम्बेडकर नगर), आदित्य राय (आजमगढ़), तिहरी कूद-मोहम्मद हुजैफा (बीएनएस इंग्लिश स्कूल), सक्षम पटेल (प्रयागराज), आयुष सिंह यादव (अंबेडकर नगर)।

--बालिका वर्ग (अंडर-14) 200 मीटर दौड़-आरोही सिंह (प्रयागराज), अंशिका (वाराणसी), यशी सिंह (अयोध्या)। (अंडर-17) 200 मीटर दौड़-इशिका वर्मा (अयोध्या), पूजा यादव (जौनपुर), स्तुति यादव (अंबेडकर नगर)। 400 मीटर दौड़-स्तुति यादव (अंबेडकर नगर), त्रिपर्णा दत्ता (प्रयागराज), स्नेहा यादव (जौनपुर)। तिहरी कूद-शानू यादव (अंबेडकर नगर), प्रज्ञा यादव (अयोध्या), आराध्या सिंह (वाराणसी)। (अंडर-19) 200 मीटर दौड़-ज्योत्सना सिंह (वाराणसी), आयुषी सिंह (प्रयागराज), मन्नत सिंह (वाराणसी)। 400 मीटर दौड़-आयुषी सिंह (प्रयागराज), सक्षिता कुमारी (प्रयागराज), प्रिया (सुल्तानपुर)।

800 मीटर दौड़-समृद्धि पाल (वाराणसी), शिवानी सिंह (प्रयागराज), रिया गौरव (प्रयागराज)। तिहरी कूद-रश्मी रोशन (अंबेडकर नगर), वैष्णवी पटेल (वाराणसी), आयशा मिश्रा (प्रतापगढ़)। ऊंची कूद-श्रेया यादव (वाराणसी), श्रद्धा सुमन (वाराणसी), अंशिका सैनी (प्रयागराज) हैं।

रुपये 62 पैसे की साप्ताहिक गिरावट

एजेंसी

मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती से बीते सप्ताह रुपया 62.50 पैसे (0.72 प्रतिशत) लुढ़ककर 87.1850 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। सप्ताह के पहले तीन दिन में ही भारतीय मुद्रा टूटकर 87.77 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गयी थी। हालाँकि अंतिम दो दिन मजबूती आने से यह 87.1850 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुई। इससे पहले के सप्ताह में भी रुपया 40 पैसे टूटा था। विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूँजी बाजार में बिकवाली से भारतीय मुद्रा दबाव में रही। बीते सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुद्ध रूप से 158.795 करोड़ डॉलर की बिकवाली की। साथ ही, दुनिया की अन्य छह प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में अमेरिकी डॉलर सूचकांक के 100 के करीब पहुँच जाने से भी रुपये पर दबाव बढ़ा।

2017 से पहले था निवेश का सूखा, अब योगी राज में हो रही निवेश क्रां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश, जो कभी निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य नहीं माना जाता था, आज देश के सबसे भरोसेमंद और तेजी से विकसित होते औद्योगिक राज्यों की पंक्ति में खड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में ऐसी छलांग लगाई है, जिसकी मिसाल कम ही देखने को मिलती है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज ÷रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म÷ मॉडल का सर्वोत्तम उदाहरण बन चुका है। जहां एक ओर 2017 से पहले यूपी निवेश मानचित्र पर मुश्किल से स्थान पा रहा था, वहीं अब यह राज्य वैश्विक निवेशकों के लिए पहला विकल्प बन गया है। विगत 8 वर्षों में लाखों करोड़ का निवेश और दुनिया भर के निवेशकों का उत्तर प्रदेश की ओर रिझान इसी ओर इशारा कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वर्ष 2000 से 2017 तक 17 वर्षों में यूपी को महज 3,000 करोड़ का एफडीआई प्राप्त हुआ था। 2016-17 में यह आंकड़ा गिरकर 50 करोड़ तक सिमट गया था जो राज्य की छवि और औद्योगिक अभाव को दर्शाता है। राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग औसत थी, सिंगल विंडो सिस्टम जैसी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी थी। यही नहीं, औद्योगिक विकास के लिए न तो स्पष्ट विज़न था और न ही स्थिर कानून व्यवस्था, जिससे निवेशकों में विश्वास की कमी बनी रही।

बीएसएनएल और एनआरएल मिलकर बनाएंगे भारत का पहला 5जी रिफाइनरी नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत को तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) ने समझौता किया है। यह समझौता गुवाहाटी में आयोजित उद्योग 4.0 कार्यशाला के दौरान किया गया, जिसे वित्त मंत्रालय के अंतर्गत लोक उद्यम विभाग ने आयोजित किया। इस समझौते के तहत एनआरएल की रिफाइनरी में देश का पहला 5जी निजी औद्योगिक नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। यह नेटवर्क केवल उस रिफाइनरी के कामकाज के लिए होगा और इससे मशीनों, उपकरणों और कर्मचारियों को तेज, सुरक्षित और तुरंत जुड़ने की सुविधा मिलेगी। कार्यशाला में लोक उद्यम विभाग के सचिव, बीएसएनएल और एनआरएल के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एमट्रॉन के प्रबंध निदेशक और अन्य सरकारी कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने आधुनिक तकनीकों जैसे पांचवीं पीढ़ी की दूरसंचार प्रणाली (5जी), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वस्तुओं की अंतरजाल प्रणाली (आईओटी), आभासी और बड़े आंकड़ों के विश्लेषण पर चर्चा की। लोक उद्यम विभाग के सचिव ने इस प्रयास को सरकार के समूची सरकार दृष्टिकोण का अच्छा उदाहरण बताया और कहा कि इससे देश के उद्योगों को आधुनिक बनाया जा सकेगा और विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

भारत को तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बताते हुए कनाडाई दिग्गज ने अमेरिका को दी आर्थिक टकराव से बचने की सलाह

नई दिल्ली। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ और रूस से तेल आयात पर अतिरिक्त टैक्स की अमेरिकी घोषणा के बाद से आर्थिक विशेषज्ञ इसपर सवाल उठा रहे हैं। इससे भारत-अमेरिका के रिश्तों में दूरी की आशंका तो है ही, टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये से विशेषज्ञ अमेरिका में मंदी की आहट देख रहे हैं।कनाडा के दिग्गज कारोबारी और टेस्टबेड के चेयरमैन किर्क लुबिमोव ने इसे लेकर ट्रंप को साफ साफ आगाह करते हुए नरेन्द्र मोदी को वैश्विक मंच पर सर्वाधिकसम्मानित नेता करार दिया। किर्क लुबिमोव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर ट्रंप की टैरिफ नीति को न केवल गलत बताया बल्कि भारत पर 25 फीसदी टैरिफ को ट्रंप की बहुत बड़ी दीर्घकालिक रणनीतिक चूक करार दिया। उन्होंने कहा कि वे पहले भी कहते रहे हैं कि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति में सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसमें जियो पॉलिटिकल स्ट्रैटजी का ध्यान नहीं रखा जाता है। ट्रंप भारत से लड़ाई लड़ रहे हैं, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती इकोनॉमी में से एक है और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज वैश्विक मंच पर सबसे ज्यादा सम्मानित नेताओं में गिने जाते हैं, जिनका कई अहम देशों में गहरा प्रभाव है। लुबिमोव का कहना है कि रणनीति यह होनी चाहिए कि कैसे चीन और ब्रिक्स देशों के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित किया जाए। भारत, ब्रिक्स का हिस्सा होने के बावजूद अमेरिका का नेचुरल सहयोगी बन सकता है। खास तौर पर जब उत्पादन को चीन से शिफ्ट करना हो।

शुरुआती कारोबार में उतार चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले आधे घंटे में ही खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। पहले 1 घंटे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.16 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हीरो मोटोकॉर्प, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.46 प्रतिशत से लेकर 1.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल्स, इंफोसिस और एनटीपीसी के शेयर 1.46 प्रतिशत से लेकर 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,529 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,391 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,138 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 165.92 अंक की मजबूती के साथ 80,765.83 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 80,902.93 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसने थोड़ी ही देर में लाल निशान में 80,500.51 अंक तक गोता भी लगा दिया। हालांकि थोड़ी देर बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर दिखाया, जिससे ये सूचकांक वापस हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 129.98 अंक की मजबूती के साथ 80,729.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी में आज 30.70 अंक उछल कर 24,596.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,669.95 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये कुछ देर के लिए लाल निशान में 24,554 अंक तक गिर भी गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 63.70 अंक की बढ़त के साथ 24,629 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

टॉप 10 में शामिल देश की 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.35 लाख करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस)को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 3 कंपनी के मार्केट कैप में इस सप्ताह 39 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा हिन्दुस्तान यूनिलीवर को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में 1,35,349.93 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 39,989.72 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। 28 जुलाई से 01 अगस्त के बीच हुए कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 47,487.10 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 10,86,547.86 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 29,936.06 करोड़ रुपये फिसल कर 10,74,903.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 22,806.44 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,44,962.09 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 18,694.23 करोड़ रुपये कम होकर 6,29,621.56 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 11,584.43 करोड़ रुपये घट कर 7,32,864.88 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 3,608 करोड़ रुपये गिर कर 10,50,215.14 करोड़ रुपये के स्तर पर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 1,233.37 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,59,509.30 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

अडानी समूह ने बीवाईडी और बीजिंग वेलियन के साथ गठजोड़ से किया इंकार

एजेंसी

नई दिल्ली। अडानी समूह ने सोमवार को ब्लूमबर्ग की प्रकाशित उस रिपोर्ट को भ्रामक बताया है, जिसमें यह दावा किया गया था कि समूह भारत में बैटरी निर्माण को बढ़ावा देने की रणनीतिक साझेदारी के लिए चीन की कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है।

अडाणी समूह के प्रवक्ता ने बताया कि ब्लूमबर्ग की 4 अगस्त को प्रकाशित रिपोर्ट में समूह और चीनी कंपनियों बीवाईडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के बीच साझेदारी को लेकर दावा किया गया है। बयान के मुताबिक ये रिपोर्ट पूरी तरह से बेबुनियाद, भ्रामक और तथ्यों से परे है। अडाणी समूह भारत में बैटरी निर्माण के लिए बीवाईडी के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी की संभावनाएं नहीं तलाश रहा है। इसी तरह बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ भी हमारा कोई संवाद या साझेदारी की योजना नहीं

है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया था कि अडानी समूह भारत में बैटरी बनाने और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए चीनी इलेक्ट्रिक वाहन दिग्गज बीवाईडी कंपनी के साथ गठजोड़ की संभावना तलाश रहा है।

मॉयल का जुलाई में मैंगनीज अयस्क उत्पादन रिकॉर्ड 1.45 लाख टन रहा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मॉयल ने वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई में रिकॉर्ड 1.45 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है। ये अबतक का सर्वाधिक? उत्पादन है और पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि (सीपीएलवाई) के मुकाबले 12 फीसदी का इजाफा है। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि कहा कि सक्रिय मानसून के बाद भी मॉयल ने अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान मजबूत परिचालन का प्रदर्शन किया, जिससे उत्पादन सालाना आधार पर 7.8 फीसदी बढ़कर 6.47 लाख टन और बिक्री सालाना आधार पर 10.7 फीसदी बढ़कर 5.01 लाख टन हो गया है। इसके साथ ही अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग भी पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 11.4 फीसदी बढ़कर 43,215 मीटर हो गई है। मॉयल के सीएमडी अजीत कुमार सक्सेना ने कहा कि मॉयल ने जुलाई में रिकॉर्ड मैंगनीज का उत्पादन ऐसे समय पर हासिल किया है, जब मानसून के कारण खनन करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सक्सेना ने कंपनी के इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मॉयल टीम को बधाई दी और चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद उत्पादन और बिक्री बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासों की सराहना की।

स्टॉक मार्केट में उमिया मोबाइल की फीकी शुरुआत, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। मोबाइल फोन और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट में कारोबार करने वाली कंपनी उमिया मोबाइल लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 66 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 4.55 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 69 रुपये के स्तर पर हुई। स्टॉक मार्केट में एंट्री के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 70 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन उसके बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर ऊपरी स्तर से लुढ़क भी गया। सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद उमिया मोबाइल लिमिटेड के शेयर 67.56 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह शुरुआती करीब दो घंटे के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों का मुनाफा घट कर 2.36 प्रतिशत रह गया है। उमिया मोबाइल

लिमिटेड का 24.88 रेपोनो का आईपीओ 28 से 31 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.57 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.44 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 37.70 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।उमिया मोबाइल ने 2012 में गुजरात के राजकोट से अपने कारोबार की शुरुआत की थी। ये मोबाइल फोन और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट में काम करने वाली एक रिटेल कंपनी है। कंपनी एप्पल, सैमसंग, रियलमी और शाओमी जैसे बड़े ब्रांड्स के स्मार्टफोन्स के साथ-साथ सोनी, एलजी, पैनासोनिक और गोदरेज जैसे ब्रांड्स के स्मार्ट टीवी, एसी, रेफ्रिजरेटर और कूलर भी बेचती है।

प्राइमरी मार्केट में बढ़ी हलचल, अगले सप्ताह 11 नए आईपीओ की होगी लॉन्चिंग, 14 शेयर लिस्टिंग के बाद करेंगे कारोबार की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में काफी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह 11 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से 3 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष 8 आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुए 3 आईपीओ में भी इस सप्ताह 04 और 05 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। सोमवार से शुरू हो रहे सप्ताह के दौरान लिस्टिंग भी जमकर होने वाली है। इस सप्ताह 14 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 04 अगस्त को ही एसेस्क मेरीन का 23.01 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 06 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 54 रुपये प्रति शेयर का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की 11 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी। इसी दिन बीएलटी लॉजिस्टिक्स का 9.72 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में भी 6 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 71 रुपये से लेकर 75 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की 11 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी। सप्ताह के पहले दिन ही आराध्या डिस्पोजल का 45.10 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में भी 6 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी।

स्टॉक मार्केट में रेपोनो की कमजोर एंट्री, लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स कंपनी रेपोनो लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 96 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 6.26 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ इसकी लिस्टिंग 89.99 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर थोड़ी ही देर में गिर कर 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 10.94 प्रतिशत का नुकसान हो गया।रेपोनो लिमिटेड का 26.68 करोड़ रुपये का

आईपीओ 28 से 30 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 64.95 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 29.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 107.34 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 67.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27,79,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी फोर्कलिफ्ट, हैंड पैलेट ट्रॉली और रीच स्टैकर की खरीदारी करने, वेयरहाउस रैकिंग सिस्टम का सेटअप तैयार करने, वेयरहाउस मैनेजमेंट के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट करने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक शुरू, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक सोमवार से मुंबई में शुरू हो गई। एमपीसी की समीक्षा आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बैठक में लिए फैसलों की जानकारी 6 अगस्त को देंगे। रिजर्व बैंक एक बार फिर नीतिगत ब्याज दरों यानी रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि अमेरिका के टैरिफ वॉर और ग्लोबल अनिश्चितता से सकल घरेलू उ?पाद जीडीपी (ग्रोथ) पर असर पड़ सकता है। ऐसे में रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है, ताकि ग्रोथ को सपोर्ट मिल सके। रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर बैंक आरबीआई से

कर्ज लेते हैं। आरबीआई रेपो रेट घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है, जिसका फायदा वो ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। रिजर्व बैंक ने इस साल लगातार तीन बार नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 1 फीसदी की कटौती कर चुका है। आरबीआई ने फरवरी में हुई एमपीसी की बैठक में रेपो रेट को 6.50 फीसदी से घटाकर 6.25 फीसदी कर दिया था। ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। दूसरी बार अप्रैल में हुई बैठक में भी ब्याज दर 0.25 फीसदी घटाई गई, जबकि तीसरी बार रेपो रेट में 0.50 कटौती जून में हुई। अभी रेपो रेट 5.50 फीसदी पर है।

भारतीय कंपनियों में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी घटकर 40.58 फीसदी पर

नई दिल्ली। देश की निजी सूचीबद्ध कंपनियों में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज हुई है। यह 30 जून 2025 तक घटकर 40.58 प्रतिशत पर आ गई है, जो पिछले आठ वर्षों में सबसे निचला स्तर है। यह गिरावट अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कुल 54,732 करोड़ रुपये की नेट शेयर बिक्री के चलते दर्ज की गई। यह जानकारी प्राइम डाटाबेस ग्रुप की पहल, primeinfobase.com के आंकड़ों में सामने आई है। प्राइम डाटाबेस ग्रुप के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा कि प्रमोटरों द्वारा शेयरों की खरीद आमतौर पर कंपनी में भरोसे का संकेत माना जाता है। लेकिन प्रमोटरों द्वारा शेयरों की बिक्री कई कारणों से हो सकती है। जैसे कि प्रमोटर तेजी वाले बाजार का फायदा उठाकर पैसा निकाल लेते हैं, रणनीतिक कारण जैसे कर्ज में कमी, उत्तराधिरार योजना, परोपकार, अन्य क्षेत्रों में निवेश या न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) की जरूरत पूरी करना और व्यक्तिगत खर्चों के लिए भी। उन्होंने कहा कि हाल ही में आईपीओ कंपनियों में अपेक्षाकृत कम प्रमोटर हिस्सेदारी और बाजार का तेजी से संस्थागत होते जाना भी इस गिरावट के अहम कारण हैं। इसका मतलब यह है कि अब कंपनियों में बड़े निवेशक म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियां, विदेशी निवेशक और अन्य संस्थान बनते जा रहे हैं, जिससे प्रमोटर्स का प्रतिशत घट रहा है।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में बड़ी गिरावट, चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी

एजेंसी

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में जबरदस्त गिरावट का रुख बना रहा। सोना आज 1,450 रुपये से 1,590 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता होकर एक बार फिर एक लाख रुपये के स्तर से नीचे आ गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली कमजोरी ही दर्ज की गई है। कीमत में कमी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये से लेकर 99,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 91,450 रुपये से लेकर 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,12,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना

91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पिछले 24 घंटे में 119 मौतें, 866 घायलः गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट

एजेंसी

गाजा सिटी। गाजा में इजराइली हमलों के बीच मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। फिलीस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि बीते 24 घंटे के भीतर 119 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 15 शव मलबे के नीचे से बरामद किए गए। इस अवधि में गाजा के विभिन्न अस्पतालों में 866 घायलों को भर्ती कराया गया है। मंत्रालय ने बताया कि कई घायलों तक अब भी आपातकालीन टीमें नहीं पहुंच पाई हैं, क्योंकि वे मलबे या सड़कों पर फंसे हुए हैं। युद्ध शुरू होने से अब तक (7 अक्टूबर 2023 से अब तक) के आंकड़ों में कुछ मृतकों की संख्या 60,839 है। जबकि 1,49,588 लोग घायल हुए हैं। 18 मार्च 2024 से ही अब तक में 9,350 मौतें हुई और 37,547 घायल हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में मारे गए 119 लोगों में से 65 लोग मानवीय सहायता पाने की कोशिश कर रहे थे। इस तरह युद्ध शुरू होने से अब तक कुल 1,487 लोगों की मौत इसी वजह से हो चुकी है, जबकि 10,578 से अधिक लोग घायल हुए हैं। गाजा में लगातार जारी बमबारी और युद्ध की स्थिति के चलते चिकित्सा सेवाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित हैं। मलबे में दबे और सड़कों पर पड़े घायल लोगों तक सहायता पहुंचा पाना मुश्किल हो गया है। स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है और स्थानीय तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां हालात को संभालने के लिए तत्काल मानवीय राहत की मांग कर रही हैं।

सीरिया में फिर भड़की हिंसा, अंतरिम सरकार के सामने बढ़ी चुनौती

दमिश्क। सीरिया में सुबह तक दो अलग-अलग इलाकों में हिंसा भड़क उठी, जिससे संघर्षविराम खतरे में पड़ गया है और पूरे देश में नियंत्रण स्थापित करने की अंतरिम सरकार की क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। उत्तर सीरिया में, सरकार-समर्थक लड़ाकों और कुर्द नेतृत्व वाली सेनाओं के बीच झड़प हुई। कुर्द बल वर्तमान में इस क्षेत्र के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखते हैं। वहीं, दक्षिणी प्रांत स्वैदा में सरकारी बलों और ड्रूज सशस्त्र समूहों के बीच टकराव हुआ। ये घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं जब अंतरिम प्रशासन स्वैदा प्रांत में पिछले महीने ड्रूज़ गुटों के साथ हुई हिंसक झड़पों के बाद संघर्षविराम बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा, सरकार अमेरिकी समर्थन प्राप्त कुर्द नेतृत्व वाले सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के साथ एक समझौते को लागू करने में जुटी है, जिसके तहत उत्तर-पूर्वी सीरिया के बड़े हिस्सों को फिर से देश के बाकी हिस्सों के साथ जोड़ा जाना है। इन ताजा झड़पों से न केवल राजनीतिक स्थिरता की कोशिशों पर असर पड़ेगा, बल्कि देश में पहले से मौजूद जातीय और राजनीतिक तनाव भी और गहराने की आशंका है।

तूफान फ्लोरिस को लेकर ब्रिटेन में गंभीर चेतावनी जारी, स्कॉटलैंड के लिए 'एम्बर' अलर्ट

लंदन। यूनाइटेड किंगडम में सोमवार को आने वाले तूफान फ्लोरिस (स्टॉर्म फ्लोरिस) को लेकर मौसम विभाग ने गंभीर चेतावनी जारी की है। स्कॉटलैंड के लिए 'येलो' चेतावनी को बढ़ाकर 'एम्बर' अलर्ट में बदल दिया गया है। मौसम विभाग ने चेताया है कि यह तूफान जान और माल के लिए खतरा पैदा कर सकता है। तूफान फ्लोरिस के सोमवार सुबह यूके के तटीय इलाकों से टकराने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, समुद्री लहरों और समुद्र तटों से उड़ते मलबे के कारण चोटें लगने और जान को खतरा होने की आशंका है। मौसम विभाग ने फ्लोरिस के कहर का अनुमान लगाते हुए स्कॉटलैंड में 10 बजे से रात 10 बजे तक एम्बर अलर्ट जारी रहेगा। वहीं उत्तरी आयरलैंड और उत्तरी इंग्लैंड में सुबह छह बजे से आधी रात तक येलो अलर्ट प्रभावी रहेगा। मुख्य मौसम विज्ञानी मैथ्यू लेनहर्ट ने बताया है कि स्कॉटलैंड में पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी दिशा से असामान्य रूप से तेज हवाएं चल सकती हैं। ऐसे में इनलैंड इलाकों (समुद्र से दूर या शहर के आंतरिक भाग) में 40 से 50 मील प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। वहीं पर्वतीय और तटीय इलाकों में हवाओं की रफ्तार 60 से 70 मील प्रति घंटा हो सकती है इसके अलावा पश्चिम से भारी बारिश की संभावना है, जो सबसे पहले आयरलैंड को प्रभावित करेगी और फिर स्कॉटलैंड, उत्तरी वेल्स और उत्तरी इंग्लैंड तक पहुंचेगी। हाईलैंड्स और लेक डिस्ट्रिक्ट जैसे क्षेत्रों में एक घंटे में 16 से 32 मिमी तक वर्षा हो सकती है।

नेपाल सरकार बहु विवाह को कानूनी मान्यता देने की तैयारी में, संसद में प्रस्ताव पेश

काठमांडू। नेपाल के विवाह कानून में संशोधन करते हुए विशेष परिस्थिति में बहु विवाह को मान्यता देने की तैयारी की गई है। इसके लिए सरकार ने कानून में संशोधन करने का प्रस्ताव संसद में पेश किया है। सरकार के इस कदम का कई महिला संगठनों ने अभी से विरोध शुरू कर दिया है। नेपाल की संसद में विवाह कानून में संशोधन का प्रस्ताव करते हुए विशेष परिस्थिति में बहु विवाह को मान्यता देने की बात का उल्लेख किया गया है। कानून मंत्री अजय कुमार चौरसिया ने कहा कि बहु विवाह सिर्फ उन परिस्थितियों में मान्य होगा, जिससे विवाहेत्तर संबंध के कारण बच्चे का जन्म होने पर उस बच्चे के भविष्य की सुरक्षा को मान्यता दी जा सके। नए प्रस्तावित कानून के मुताबिक यदि किसी शादीशुदा पुरुष या महिला का किसी अन्य महिला या पुरुष के साथ संबंध बनाने पर यदि गर्भ ठहरता है।

यमन के दक्षिणी प्रांत में 157 लोगों को लेकर जा रही नाव डूबी, 75 की मौत

एजेंसी

सना। यमन के दक्षिणी प्रांत अबयान के तट पर रविवार को खराब मौसम के दौरान लगभग 157 लोगों को ले जा रही एक नाव डूब गई। खोज एवं बचाव दल में शामिल गोताखोरों ने अब तक 75 शव निकाले हैं। बाकी लोगों की तलाश की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के यमन प्रमुख ने पहले इस दुर्घटना में कम से कम 68 प्रवासियों की मौत की सूचना दी थी। वैश्विक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईओएम के यमन प्रमुख ने कहा था कि 68 लोगों की मौत हो गई है और 12 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन दर्जनों लोग लापता हैं। अधिकतर पीड़ित इथियोपियाई नागरिक बताए जा रहे हैं। सनद रहे अफ्रीकी खाड़ी देशों में काम की तलाश में आने वाले प्रवासियों के लिए यमन प्रमुख मार्ग है। आईओएम

का अनुमान है कि हाल के महीनों में जहाज और नावों के डूबने से सैकड़ों लोग मारे गए या लापता हो गए। इस बीच, यमन के सुरक्षा अधिकारियों ने सोमवार को कुछ वैश्विक संचार माध्यमों को बताया कि इस नौका दुर्घटना में कम से कम 76 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग लापता हैं। अदन की खाड़ी में जहाज के मलबे से 76 शव बरामद किए गए हैं और 32 लोगों को बचा लिया गया हैं। संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी ने बताया कि नाव पर 157 लोग सवार थे। इस बीच अमन के सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि बड़ा खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। तट के एक बड़े हिस्से से कई शव मिले हैं। आईओएम यमन प्रमुख अब्दुसत्तोर एसोव ने कहा कि नाव विशाल तटीय क्षेत्र में एक खतरनाक रास्ते पर थी। इस रास्ते का इस्तेमाल अकसर मानव तस्कर करते हैं। एसोव ने तस्करों के शोषण से बचने के लिए प्रवासियों के लिए कानूनी सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के महत्व पर भी जोर दिया है। आईओएम का कहना है कि मार्च में 180 से ज्यादा प्रवासियों को ले जा रही दो नावें यमन के धुबाब जिले के तट पर डूब गई थीं। इन लोगों में से केवल चालक दल के दो सदस्यों को ही बचाया जा सका था।

बलोचों की मर्ज़ी के बिना कोई नहीं ले पाएगा बलोचिस्तान के संसाधन : फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान से बलोचिस्तान की आज़ादी की जद्दोजहद कर रहे बलोचिस्तान मुक्ति आंदोलन ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद एक स्वतंत्र देश के रूप में अपने स्वरूप, शासन प्रणाली एवं सामाजिक व्यवस्था को लेकर पूरी योजना तैयार कर ली है और वैश्विक शक्तियों को संदेश दिया है कि वे बलोचिस्तान के संसाधनों को साझा करने के लिए पाकिस्तान का रास्ता अख्तियार नहीं करें। फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट के कार्यकर्ता मीर यार बलोच ने हिन्दुस्थान समाचार के साथ वर्चुअल बातचीत में बलोचिस्तान की स्वतंत्रता का घोषणापत्र एवं संविधान के खाका को भी साझा किया। इसमें कहा गया है कि बलोचिस्तान एक सेकुलर देश होगा जिसमें मजहब या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा और हर नागरिक को स्वेच्छा से किसी भी धर्म या मजहब का पालन करने का अधिकार होगा। सभी नागरिकों को समान अधिकार होंगे। दस्तावेज़ में कहा गया है कि देश की शासन प्रणाली लोकतांत्रिक होगी और बलोचिस्तान की राष्ट्रीय सेना का काम केवल देश की सीमाओं की रक्षा करना होगा और सेना में सेवारत हर अधिकारी या सैनिक के लिए किसी भी व्यावसायिक गतिविधि में भाग लेना वर्जित होगा। मिडिल ईस्ट मीडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट (मेमरी) में बलोचिस्तान स्टडीज़ प्रोजेक्ट के सलाहकार मीर यार बलोच के अनुसार बलोचिस्तान का सपना हकीकत से बहुत दूर नहीं है। बलोचिस्तान लिबरेशन चार्टर में जिस स्वतंत्र बलोचिस्तान का मानचित्र साझा किया गया है।

पाकिस्तान के सिंध में अपराधों में शामिल 10 थाना प्रभारी निलंबित

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 10 थानाध्यक्षों (एसएचओ) को अपराधों में संलिप्त होने के कारण निलंबित कर दिया गया। सिंध पुलिस के महानिरीक्षक (आईजी) के निर्देश पर निलंबन और पदावनत की गाज हैदराबाद, कराची, संघार, कंबर शाहदादकोट, सुक्कुर और शिकारपुर थाना समेत 10 एसएचओ पर गिरी है। इन सभी पर सामाजिक अपराधों में लिप्त होने के अलावा कदाचार जैसे गंभीर आरोप हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार निलंबित थानाध्यक्षों को कराची के गार्डन स्थित पुलिस मुख्यालय में बी-कंपनी में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है। बी-कंपनी पुलिस की अनुशासनात्मक इकाई है। यहां काली सूची में डाले गए या निलंबित किए गए कर्मियों को प्रतिदिन आठ घंटे निष्क्रिय रहने के लिए नियुक्त किया जाता है। पुलिस की भाषा में इस सेल को काला पानी या आंतरिक निर्वासन कहा जाता है। डीआईजी (स्थापना) नईम अहमद शेख के आदेश के

अनुसार हैदराबाद के ए-सेक्शन लतीफाबाद पुलिस स्टेशन के एसएचओ जाहिद सिराज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उन्हें सब-इंस्पेक्टर (एसआई) के पद पर पदावनत कर दिया गया है। उन्हें बी-कंपनी में रिपोर्ट करने का भी निर्देश दिया गया है। शेष नौ एसएचओ में से छह कराची के विभिन्न पुलिस थानों से हैं, जबकि एक कंबर शाहदादकोट, एक सुक्कुर और एक शिकारपुर जिलों से संबंधित हैं। पदावनत किए गए अधिकारियों में छह इंस्पेक्टर को एसआई के पद पर पदावनत किया गया है। तीन एसआईए को सहायक एएसआई और एक एएसआई को हेड कांस्टेबल के पद पर पदावनत किया गया है।

प्रधानमंत्री ओली ने नेपाल में राजतंत्र की वापसी के दिल्ली समझौते को ऐतिहासिक भूल बताया

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में राजतंत्र की वापसी के लिए दिल्ली में हुए समझौते को ऐतिहासिक भूल बताया है। उन्होंने कहा कि उस समझौते के बाद ही नेपाल में 56 सालों तक राजतंत्र कायम रहा और देश की जनता को दुख सहना पड़ा। काठमांडू में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि विक्रम संवत 2007 में जब नेपाल के तत्कालीन राजा त्रिभुवन देश छोड़ कर भारत में शरण ली थी, उसी समय उनको नेपाल में लाकर स्थापित करना गलत था। ओली ने कहा कि उस समय दोबारा नेपाल बुलाकर नेपाल में स्थापित किए गए राजतंत्र के कारण नेपाल की जनता को 56 वर्ष तक राजतंत्र के अधीन रहना पड़ा। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि हालांकि, यह गलती हमारे पूर्वजों ने की थी, लेकिन वह लोकतंत्र की दृष्टि से एक ऐतिहासिक भूल साबित हुई। उन्होंने कहा कि विक्रम संवत 2063 तक नेपाल की जनता पर शाह राजवंश का शासन रहा, जिसे

नेपाली जनता के संघर्ष के बाद हटाया गया। ओली ने कहा कि अब दोबारा नेपाल में राजतंत्र की स्थापना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेन्द्र नेपाल के असली राजा नहीं हैं, बस बदली हुई परिस्थिति के कारण ज्ञानेन्द्र शाह को राजा मानने पर हम मजबूर हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो गलतियां हमारे पूर्वजों ने की थी, वही गलती हम नहीं करने वाले हैं और न हमारी आने वाली पीढ़ी कर सकती है। नेपाल में असली राजवंश का विनाश हो चुका है और किसी को भी राजा मानना अब हमारी मजबूरी नहीं है।

बलूच राजी आजोई संगर ने पाकिस्तान सेना के मुख्य शिविर पर हमले की जिम्मेदारी ली, 22 सैनिकों को मारने का दावा किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में 'स्वतंत्रता समर्थक' सशस्त्र समूहों के प्रमुख गठबंधन बलूच राजी आजोई संगर (बीआरएएस) ने रविवार को पंजगुर के मतिन गोरान इलाके में पाकिस्तान सेना के मुख्य शिविर पर हमले की जिम्मेदारी ली। बीआरएएस ने दावा किया कि पाकिस्तान सेना के मुख्य शिविर में उसके हमले में कम से कम 22 सैन्यकर्मी मारे गए और कैप्टन ओसामा सहित 14 से अधिक घायल हो गए। द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने बयान में कहा कि शुक्रवार शाम लगभग 6 बजे लड़ाकों ने गोरान में 91 विंग के केंद्रीय शिविर और उससे सटी चौकियों पर तीन तरफ से हमला किया। पाकिस्तान की सेना से लड़ाकों का यहां संघर्ष दो घंटे तक चला। इस दौरान बीआरएएस के लड़ाकों ने दो प्रमुख चौकियों और

शिविर के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इस हमले में पाकिस्तान सेना को भारी नुकसान हुआ। लड़ाकों ने हथियार, गोला-बारूद और कलाश्निकोव, जी 3 राइफलें, मशीन गन, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल स्कैनर सहित अन्य उपकरण छीन लिए। बीआरएएस प्रवक्ता ने कहा कि उसकी इकाइयों ने अतिरिक्त सैन्य बल को रोकने के लिए सीपीईसी मार्ग को दो जगहों पर अवरुद्ध कर दिया। पाकिस्तान सेना घेरे गए अपने सैनिकों की मदद करने में विफल रही। बयान में कहा गया कि लड़ाकों ने निगरानी कैमरे नष्ट कर दिए। इससे दुश्मन के खुफिया ढांचे को और नुकसान पहुंचा। संगठन ने दावा किया कि एक कब्जे वाली चौकी पर तीन सैन्यकर्मियों को घेर लिया गया था। अग्रिम पंक्ति के लड़ाके अमीर उर्फ बाबा ने सैनिकों को बिना खूनखराबे के आत्मसमर्पण के लिए मनाने की कोशिश की। इस दौरान उन्हें पीछे से गोली मार दी गई। इससे उनकी मौत हो गई। यह घमासान रविवार तक चला। बीआरएएस के लड़ाकों ने पाकिस्तान सेना के कम से कम 22 सैन्यकर्मियों को ढेर कर दिया। हमले में कैप्टन ओसामा सहित 14 से अधिक घायल हो गए। प्रवक्ता के अनुसार, केच के होशाब इलाके के उर्ज मोहम्मद बाजार निवासी और आसमी के बेटे अमीर, 2014 में बलूच लिबरेशन आर्मी में शामिल हुए और शहरी और पहाड़ी दोनों इकाइयों में सेवा की।

रूस के सुदूर पूर्व में सैकड़ों वर्षों बाद ज्वालामुखी विस्फोट, 8.8 तीव्रता के भूकंप के कुछ दिन बाद फटा क्राशेनीन्निकोव

एजेंसी

मॉस्को/कामचटका। रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र कामचटका प्रायद्वीप पर स्थित क्राशेनीन्निकोव ज्वालामुखी में रविवार को अचानक विस्फोट हुआ। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ज्वालामुखी करीब 600 वर्षों में पहली बार फटा है। विस्फोट कुछ ही दिन पहले आए 8.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद हुआ, जिसने पूरे प्रशांत क्षेत्र को प्रभावित किया था।कामचटका के क्रोनोत्स्की रिजर्व के कर्मचारियों ने बताया कि विस्फोट के दौरान ज्वालामुखी से 6 किलोमीटर (करीब 3.7 मील) ऊंचा राख का गुबार उठा, जो पूर्व दिशा में प्रशांत महासागर की ओर फैल गया। राज्य मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में घना राख का बादल ज्वालामुखी के ऊपर मंडराता दिखाई दिया। कामचटका आपातकाल मंत्रालय ने टेलीग्राम पर जानकारी दी कि राख के फैलाव के रास्ते में कोई आबादी वाला क्षेत्र नहीं है और अब तक किसी बस्ती में राख गिरने की सूचना नहीं मिली है। विस्फोट के दौरान क्षेत्र में 7.0 तीव्रता का भूकंप भी दर्ज किया गया, जिससे कामचटका के तीन इलाकों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी। हालांकि बाद में रूस के आपात सेवा मंत्रालय ने चेतावनी हटा दी। कामचटका वोल्कैनिक इरप्शन रेस्पॉन्स टीम की प्रमुख ओल्गा गिरिना ने राज्य समाचार एजेंसी को बताया, ÷यह क्राशेनीन्निकोव ज्वालामुखी का 600 वर्षों में पहला ऐतिहासिक रूप से पुष्टि किया गया विस्फोट है। हालांकि, अमेरिका स्थित स्मिथसोनियन ग्लोबल वोल्केनिज्म प्रोग्राम के अनुसार इस ज्वालामुखी का आखिरी विस्फोट वर्ष 1550 में हुआ था, यानी करीब 475 वर्ष पहले।

बलूचिस्तान में नाबालिग छात्र के खिलाफ आतंकवाद का मामला, सीटीडी की तीखी आलोचना, अदालत ने जमानत दी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहे प्रांत बलूचिस्तान में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करने पर एक नाबालिग छात्र को 'आतंकवाद' के केस का सामना करना पड़ रहा है। यह मामला प्रांत के केच जिले के तुर्बत इलाके का है। फिलहाल तुर्बत की आतंकवाद-रोधी अदालत ने शनिवार को इस नाबालिग छात्र को जमानत दे दी। द बलूचिस्तान पोस्ट ने आज इस घटनाचक्र पर खबर प्रसारित की है। इस खबर के अनुसार, आतंकवाद-रोधी विभाग (सीटीडी) मकरान ने एक मानवाधिकार कार्यकर्ता का भाषण सोशल मीडिया पर कथित तौर पर शेयर करने के आरोप में इस नाबालिग छात्र के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज किया था। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, सीटीडी ने तुर्बत के

अबसार इलाके के निवासी सोहैब खालिद के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उसने कथित तौर पर नागरिक समाज के सदस्य गुलजार दोस्त के एक भाषण का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिक टॉक पर शेयर किया था। उल्लेखनीय है कि गुलजार दोस्त पाकिस्तान के आतंकवाद-रोधी अधिनियम की चौथी अनुसूची के तहत सूचीबद्ध है।

नाबालिग छात्र सोहैब खालिद के वकील जदैन दश्ती ने कहा कि इस हफ्ते की शुरुआत में सीटीडी के प्राथमिकी दर्ज करने के बाद लड़के के पिता को अपने बेटे को अदालत में पेश करने के लिए मजबूर होना पड़ा। दश्ती ने तर्क दिया कि आरोप निराधार और असंगत थे। उन्होंने कहा कि सोहैब को शेयर किए गए वीडियो के कानूनी निहितार्थों की कोई जानकारी नहीं थी।इस घटना की मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि किसी नाबालिग पर आतंकवाद के आरोप में मुकदमा चलाना बाल अधिकारों और उचित प्रक्रिया का घोर उल्लंघन है। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने कहा कि वह उन रिपोर्टों से स्तब्ध है जिनमें एक नाबालिग को सोशल मीडिया पर एक मानवाधिकार कार्यकर्ता का भाषण कथित तौर पर साझा करने के आरोप में तुर्बत की एक आतंकवाद-रोधी अदालत में %आतंकवाद% के आरोप में पेश किया गया। एचआरसीपी ने कहा कि इस तरह से आतंकवाद-रोधी कानूनों का दुरुपयोग बाल अधिकारों और उचित प्रक्रिया का घोर उल्लंघन दर्शाता है। आयोग ने आरोपों को तुरंत वापस लेने, प्राथमिकी की गहन समीक्षा करने और इस खतरनाक प्रवृत्ति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

बलूचिस्तान के क्वेटा से युवक को घर से जबरन उठा ले गए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान प्रांत में संघीय सरकार कानून प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से लोगों को जबरन घरों से उठवा रही है। हाल के दिनों में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने विभिन्न जिलों से कम से कम आठ लोगों को कथित तौर पर हिरासत में लिया है। ताजा घटना में दीन मोहम्मद शाहवानी के युवा बेटे मोहसिन शाहवानी को कथित तौर पर क्वेटा के किल्ली कंबरानी स्थित उसके घर से हिरासत में लिया गया है। द बलूचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से मोहसिन शाहवानी को घर से जबरिया उठाकर ले जाने की खबर प्रसारित की है। शाहवानी को देररात छापा मारकर हिरासत में लिया गया। इसके बाद उसे अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। यह घटना इमाम बंगुलजई के बेटे शेरबाज बंगुलजई समेत चार अन्य लोगों को कथित तौर पर इसी इलाके से ऐसी ही परिस्थितियों में हिरासत में लिए जाने के कुछ समय बाद हुई है। इसके

अलावा वाशुक जिले के नाग इलाके में पाकिस्तान के कानून प्रवर्तन बलों ने 31 जुलाई की रात लगभग दो बजे मीर हाजी हासिल खान सासोली के घर पर कथित तौर पर छापा मारा। इस दौरान उनके बेटे अब्दुल करीम को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया। तब से अब्दुल का कोई पता नहीं है। परिवार के सदस्यों का आरोप है कि छापे के दौरान उन पर हमला किया गया और घर की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। इससे पहले केच जिले के होथाबाद निवासी जाफर पुत्र एजाज को 30 जुलाई को खैराबाद इलाके से कथित तौर पर हिरासत में लिया गया था। उसका भी कोई पता नहीं है। यह घटनाएं वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी) के लगातार विरोध प्रदर्शनों के साथ सामने आई हैं। वीबीएमपी का क्वेटा प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन 5,899वें दिन में प्रवेश कर गया है। वीबीएमपी के अध्यक्ष नसरुल्लाह बलूच ने हाल ही में विश्वविद्यालय की छात्रा महजबीन बलूच के लापता होने का मामला उठाया है। महजबीन को कथित तौर पर राज्य के अधिकारियों ने क्वेटा के सिविल अस्पताल से हिरासत में ले लिया था। वीबीएमपी के अनुसार महजबीन 65 दिन से लापता है।

मैक्रों ने बंधकों के वीडियो को बताया अमानवीय, कहा- हमास ने निर्दयता की हदें पार की

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों के वीडियो जारी किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे अत्यंत क्रूरता और असीम अमानवीयता करार देते हुए कहा कि हमास मानवता की सभी सीमाएं लांघ चुका है। हमास और उसकी सहयोगी संगठन इस्लामिक जिहाद ने हाल ही में दो बंधकों रोम ब्रास्लावस्की और एव्यातर डेविड के वीडियो जारी किए हैं। दोनों को 07अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमले के दौरान अगवा किया गया था, जिसके बाद यह युद्ध शुरू हुआ था। राष्ट्रपति मैक्रों ने एक्स पोस्ट में लिखा, एक घृणित क्रूरता, असीम अमानवीयता – यही हमास का स्वरूप है। फ्रांस की सर्वोच्च प्राथमिकता सभी बंधकों की तत्काल रिहाई है। उन्होंने कहा कि फ्रांस संघर्ष विराम की बहाली और गाजा सीमा पर रुकी हुई मानवीय सहायता की तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार कोशिश करता रहेगा। मैक्रों ने यह भी दोहराया कि जब यह युद्ध समाप्त होगा, तो गाजा पर हमास का कोई भी राजनीतिक नियंत्रण स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा, हम हमास के पूर्ण निरस्त्रीकरण, शासन से पूर्ण बहिष्कार और इजराइल को फिलिस्तीन द्वारा मान्यता देने की मांग करते हैं।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति मैक्रों पहले ही यह संकेत दे चुके हैं।

हॉलीवुड अभिनेत्री लोनी एंडरसन का 79 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेत्री लोनी एंडरसन का लंबी बीमारी के बाद 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने लॉस एंजिल्स के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनकी सबसे यादगार फिल्म डब्ल्यूकेआरपी इन सिनसिनाटी है। उन्होंने इस हास्य फिल्म में रिसेप्शनिस्ट जेनिफर मार्लो का किरदार निभाकर प्रशंसकों और फिल्म विशेषज्ञों का ध्यान खींचा था। फॉक्स न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, उनकी पूर्व प्रचारक चेरिल जे. कागन ने अभिनेत्री लोनी एंडरसन के निधन की पुष्टि करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। एंडरसन के परिवार ने बयान में कहा, हमें अपनी प्यारी पत्नी, मां और दादी के निधन की घोषणा करते हुए दुख हो रहा है। उन्होंने चार दशक से भी ज़्यादा समय तक स्वाट, थ्री ऑन अ डेट, थ्रीज कंपनी, द इनक्रेडिबल हल्क, द लव बोट और द बॉब न्यूहार्ट शो फिल्मों सहित कई टीवी शो में अभिनय किया। मिनेसोटा के सेंट पॉल में पली-बढ़ी एंडरसन की सबसे बड़ी ख्वाहिश अभिनेत्री बनने की थी। 1975 में एंडरसन लॉस एंजिल्स चली

आईं और जल्द ही इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली। उन्होंने 1978 में एक लोकप्रिय टीवी शो में सेक्स सिंबल के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 2021 में कहा था, मुझे याद है कि उस जमाने में हम सब पोस्टर बनाया करते थे। हर कोई मुझसे हमेशा पूछता था, तुमने पोस्टर क्यों बनाया? मैं कहती थी क्योंकि किसी दिन मेरे नाती-पोते इसे देखेंगे। और मैं उन्हें बता पाऊंगी कि मैं सचमुच ऐसी दिखती थी। साल 1982 में उन्होंने अपने तत्कालीन भावी पति बर्ट रेनॉल्ड्स के साथ स्ट्रोकर ऐस नामक एक फीचर फिल्म में सह अभिनय किया। लोनी और बर्ट ने अगस्त 1988 में अपने बेटे क्विंटन एंडरसन रेनॉल्ड्स को गोद लिया। बर्ट रेनॉल्ड्स की 2018 में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। टीवी और फिल्म के अलावा एंडरसन संगीत थियेटर समुदाय की प्रमुख सदस्य थीं। मीडिया फोर के अध्यक्ष स्टीव सॉयर ने कहा, वह एक बेहतरीन कामकाजी मां थीं। परिवार सर्वोपरि था। उन्होंने अपने करियर के साथ बेहतरीन संतुलन बनाए रखा। उनकी कमी हमेशा खलेगी। बताया गया है कि 17 मई, 2008 को एंडरसन ने 1960 के दशक के लोकगीत समूह द ब्रदर्स फोर के संस्थापक सदस्य बॉब फ्लिक से शादी की। एंडरसन के परिवार में उनके पति, बेटी डेइड्रा और दामाद चार्ली हॉफमैन, बेटा क्विंटन एंडरसन रेनॉल्ड्स, पोते-पोतियां मैकेंजी और मेगन हॉफमैन, सौतेला बेटा एडम फ्लिक और उनकी पत्नी हेलेन, सौतेले पोते-पोतियां फेलिक्स और मैक्सिमिलियन हैं। परिवार ने कहा कि हॉलीवुड फॉरएवर कब्रिस्तान में एक निजी पारिवारिक प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी।

भारत की फ्यूचर क्रॉप है मक्का

उपयोगिता के हिसाब से हर फसल का अपना महत्व है, लेकिन मक्का सबसे अलग है. इसके करीब 3000 प्रोडक्ट बनते हैं इसलिए इसे विश्व स्तर पर औद्योगिक फसल का दर्जा मिला हुआ है. दुनिया में इसके उत्पादन का 83 फीसदी हिस्सा फीड, स्टार्च और जैव ईंधन उद्योगों में इस्तेमाल होता है. अब भारत में इथेनॉल के बहाने इसकी खेती का दायरा बढ़ने की संभावना है. क्योंकि सरकार ने 2025 तक पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य रखा है. इससे करीब एक लाख करोड़ रुपये की बचत होगी, जिसका फायदा हमारे किसानों को मिलेगा.

जाने-माने मक्का वैज्ञानिक शंकर लाल जाट ने एक जाने माने संचार माध्यम %किसान तक% से बातचीत में कहा कि भारत में मक्का की फसल से बहुत संभावना है. यह एक इमर्जिंग क्रॉप है. जिसे हम फ्यूचर क्रॉप भी कह सकते हैं. अगले कुछ साल में इथेनॉल के लिए मक्का की भारी मांग होगी. भारत में धान और गेहूं के बाद मक्का तीसरी सबसे महत्वपूर्ण अनाज फसल है. धान की जगह मक्का को बढ़ावा देकर हम भू-जल का दोहन कम कर सकते हैं. यह क्रॉप डायवर्सिफिकेशन के लिए बेहतरीन फसल है. इसका दाम भी अच्छा मिल रहा है. इसका भाव 2700 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया है जबकि इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य 2400 रुपये ही है.

कृषि वैज्ञानिक जाट कहते हैं कि 100 किलो मक्का से 35 से 40 लीटर इथेनॉल मिलता है. यही नहीं इसके बचे हिस्से से फीड इंडस्ट्री का प्रोडक्ट भी बनता है. इसलिए यह किसानों के लिए फायदे का सौदा है. इसकी फसल जितनी बढ़ेगी प्रकृति के लिए उतना ही फायदा होगा. क्योंकि इसमें पानी की खपत बहुत कम होती है. बस दिक्कत यह है कि चीनी और गन्ना के मुकाबले मक्का से बने इथेनॉल का दाम कम है. ऐसा नहीं होना चाहिए. इथेनॉल तो इथेनॉल है उसका दाम एक ही होना चाहिए. ऐसा होने से किसानों को फायदा होगा.

मक्का का स्कोप

मक्का खरीफ फसल है, हालांकि कुछ राज्यों में रबी सीजन में भी इसकी पैदावार होती है. खरीफ में 71 प्रतिशत उत्पादन होता है. अभी हम लगभग अपनी खपत के बराबर ही मक्का पैदा कर रहे हैं. विश्व औसत के मुकाबले मक्का उत्पादकता और इसके इंडस्ट्रियल इस्तेमाल में हम काफी पीछे हैं. जाट बताते है कि मक्का की फसल बढ़ाने का स्कोप खाने-पीने के तौर पर नहीं है. इसका स्कोप तो इथेनॉल और इंडस्ट्रियल इस्तेमाल में ज्यादा है.

भारत में मक्का का इस्तेमाल

दिलचस्प बात यह है कि भारत में मक्का का इस्तेमाल खाने-पीने में बहुत कम होता है. हम 55 फीसदी मक्का पोल्ट्री फीड, 10 से 12 फीसदी एनिमल फीड, 17 फीसदी स्टार्च में, 7 से 8 फीसदी वैल्यू एडेड प्रोडक्ट जबकि खाने-पीने के काम में सिर्फ 8 फीसदी का इस्तेमाल करते हैं. जाट बताते हैं कि भारत में इस वक्त मक्का से 1500 से अधिक प्रोडक्ट बन रहे हैं.

मक्का उत्पादन

आजादी के बाद 1949-50 में 2 मिलियन टन उत्पादन हुआ था. जो अब 2020-21 में बढ़कर 31.65 मिलियन टन हो गया.

वर्ष 1949-50 में सिर्फ 3.30 मिलियन हेक्टेयर में मक्का की खेती होती थी. जो अब बढ़कर 2020-21 में 9.89 मिलियन हेक्टेयर हो गई है.

मक्का की प्रोडक्टिविटी 1949-50 में 6.3 क्विंटल प्रति हेक्टेयर थी. जो अब 2020-21 में 31.99 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गई है. (भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान)

दुनिया के 170 देशों में मक्का उगाया जाता है. अमेरिका मक्का का सबसे बड़ा उत्पादक है. यहां दुनिया का करीब 36 फीसदी उत्पादन होता है. लेकिन, इसके उत्पादन में विश्व में भारत की भागीदारी महज 2 प्रतिशत है.

दुनिया में सबसे ज्यादा करीब 61 फीसदी मक्का चारे के रूप में खर्च होता है. 22 फीसदी उद्योग और 17 परसेंट खाद्य सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता है. वैश्विक अनाज उत्पादन में मक्के का उत्पादन 39 फीसदी है.

भारत में सबसे ज्यादा मक्का कर्नाटक में पैदा होता है. इसकी कुल पैदावार में हिस्सेदारी 16 प्रतिशत है. इसके बाद मध्य प्रदेश और बिहार का नंबर आता है. आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा प्रोडक्टिविटी है. कृष्णा और पश्चिम गोदावरी जिले इसके लिए मशहूर हैं. तेलंगाना, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और हरियाणा में भी इसकी अच्छी खेती होती है

मक्का की खेती के लिए, अच्छी जल निकास वाली उपजाऊ मिट्टी का चयन करें। खेत को 2-3 बार जोतकर पाटा चलाएं और मेड़ों पर मक्का बोएं। बीज 8 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से डालें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 20 सेमी रखें।

मक्का की खेती के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव-

बीजोपचार-

बुवाई से पहले बीजों को उपचारित करें।

समय पर सिंचाई-

मक्का को समय-समय पर सिंचाई करें।

खरपतवार नियंत्रण-

खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए समय-समय पर निराई-गुड़ाई करें।

रोग और कीट नियंत्रण-

मक्का में लगने वाले रोगों और कीटों से बचाव के लिए उचित उपाय करें।

कटाई

जब मक्का पूरी तरह से पक जाए तो उसकी कटाई करें।

कैसे बनता है इथेनॉल जिससे चलेंगी गाड़ियां

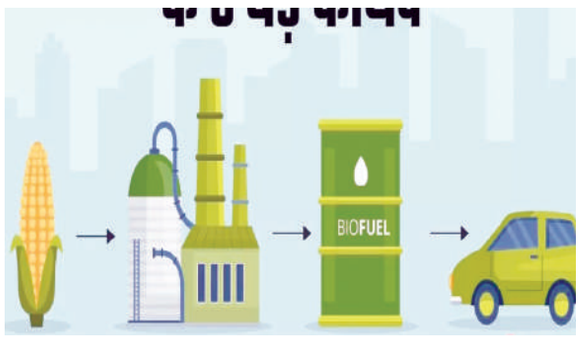

संदीप भारद्वाज के अनुसार इथेनॉल एक का अल्कोहल है जिसे पेट्रोल के साथ मिलाकर वाहनों में ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है. इथेनॉल मुख्य रूप से गन्ने की फसल से तैयार किया जाता है लेकिन इसे कई अन्य चीनी फसलों से भी तैयार किया जा सकता है. इससे कृषि और पर्यावरण दोनों को लाभ होता है. -पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं, क्योंकि पर्यावरण को बचाने और इसे सुरक्षित रखने की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा रही है. प्रदूषण अलग-अलग तरीकों से मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ पृथ्वी के संतुलन को बिगाड़ने का काम कर रहा है जो आने वाले समय में हमारे लिए खतरा पैदा कर सकता है. इन जोखिमों को पहचानते हुए, सरकारें, संगठन और व्यक्ति प्रदूषण को कम करने और एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के उपाय लागू कर रहे हैं. पर्यावरण को बचाए रखने में एक महत्वपूर्ण कदम स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना है. नवीकरणीय ऊर्जा जिसे आम बोलचाल की भाषा में हम रिन्यूएबल एनर्जी कहते हैं. यह जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करती है और हानिकारक उत्सर्जन यानी कार्बन डाइऑक्साइड को कम करने में मदद करती है.

दुनिया भर में सरकारें नवीकरणीय ऊर्जा के बुनियादी ढांचे में निवेश कर रही हैं, इसके उपयोग को प्रोत्साहित कर रही हैं और कार्बन उत्सर्जन पर सख्त नियम लागू कर रही हैं. ऐसे में भारत द्वारा भी कई कदम उठाए जा रहे हैं. पहले इलेक्ट्रिक वाहन और अब इथेनॉल का इस्तेमाल वाहनों को चलाने के लिए किया जा रहा है. आपको बता दें कि यह पर्यावरण के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है. ऐसे में आइए जानते हैं कि इथेनॉल कैसे बनता है.

इथेनॉल क्या होता है

इथेनॉल एक प्रकार का ईंधन है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों को चलाने में किया जाता है. इथेनॉल का उपयोग प्रदूषण को कम करने के लिए किया जाता है. बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए यह कदम उठाया गया है. यानी इसके उपयोग से वाहन भी चलाए जा सकते हैं और पर्यावरण को होने वाले नुकसान को भी कम किया जा सकता है.

इथेनॉल, जिसे एथिल अल्कोहल या अनाज अल्कोहल के रूप में भी जाना जाता है. ईंधन के रूप में इसके उपयोग होने वाले जैव ईंधन को बनाने के लिए इथेनॉल को अक्सर गैसोलीन के साथ मिलाया जाता है. ये मिलावट उचित मात्रा जैसे श्व10 (10व्व इथेनॉल और 90व्व गैसोलीन) या श्व85 (85व्व इथेनॉल और 15व्व गैसोलीन तक), और फ्लेक्स फ्यूल तकनीक से लैस कुछ वाहनों में इस्तेमाल किया जा सकता है. इथेनॉल को रिन्यूएबल एनर्जी के रूप में देखा जाता है क्योंकि इसे मकई, गन्ना या सेल्युलोसिक बायोमास जैसी कृषि फसलों से तैयार किया जा सकता है.इथेनॉल एक प्रकार का अल्कोहल है जिसे पेट्रोल के साथ मिलाकर वाहनों में ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है. इथेनॉल मुख्य रूप से गन्ने की फसल से तैयार किया जाता है लेकिन इसे कई अन्य चीनी फसलों से भी तैयार किया जा सकता है. इससे कृषि और पर्यावरण दोनों को लाभ होता है. चीनी के उत्पादन से बचा हुआ उप-उत्पाद इथेनॉल पेट्रोल का एक अच्छा विकल्प है. इसका उपयोग ईंधन के विकल्प के रूप में किया जाता है और यह लागत के हिसाब से सस्ता भी है. इसे घरेलू स्तर पर फसलों से उत्पादित किया जा सकता है (और कच्चे तेल की तरह आयात करने की आवश्यकता नहीं है)

क्या है फ्लेक्स फ्यूल तकनीक

फ्लेक्स-फ्यूल को पेट्रोल-डीजल के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है. यही कारण है कि इसे वैकल्पिक ईंधन भी कहा जाता है. इसे पेट्रोल और इथेनॉल के मिश्रण से तैयार किया जाता है. इसे अल्कोहल आधारित ईंधन भी कहा जाता है क्योंकि इसमें इथेनॉल का उपयोग किया जाता है, जो गन्ना, मक्का जैसी फसलों से तैयार किया जाता है. फ्लेक्स फ्यूल टेक्नोलॉजी, जिसे फ्लेक्सिबल फ्यूल टेक्नोलॉजी या एफएफवी (फ्लेक्सिबल फ्यूल व्हीकल) तकनीक के रूप में भी जाना जाता है. यह गैसोलीन और विभिन्न इथेनॉल के मिश्रण पर चलने के लिए एक ऑटोमोबाइल इंजन की क्षमता को दर्शाता है. फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को विभिन्न इथेनॉल-गैसोलीन मिश्रणों के साथ चलने के लिए डिज़ाइन किया गया है.

इथेनॉल उत्पादन में गन्ने का अहम रोल

गन्ना इथेनॉल उत्पादन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह इथेनॉल के उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले प्राथमिक कृषि उत्पादों में से एक है. गन्ना सुक्रोज, एक प्रकार की चीनी से समृद्ध है, जिसे इथेनॉल का उत्पादन करने के लिए आसानी से बदला सकता है. गन्ने में सुक्रोज की उच्च मात्रा होती है, जो इसे इथेनॉल उत्पादन के लिए एक आदर्श कच्चा माल बनाती है. मिलिंग और क्रशिंग प्रक्रिया के माध्यम से गन्ने से चीनी निकाली जाती है, और परिणामस्वरूप रस को इथेनॉल में बदलने के लिए फीडस्टॉक के रूप में उपयोग किया जाता है. गन्ने से इथेनॉल उत्पादन बेहद कीमती और बायो प्रॉडक्ट है. गन्ने से रस निकालने के बाद बचा हुआ रेशेदार कचरे का उपयोग इथेनॉल उत्पादन प्रक्रिया के लिए बिजली और भाप उत्पन्न करने के लिए बायोमास ईंधन के रूप में किया जा सकता है.

इथेनॉल के बढ़ते इस्तेमाल से किसानों को भी इसका लाभ मिलता है. पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि 15 शहरों के 84 पेट्रोल पंप पर 20 फीसदी इथेनॉल वाले पेट्रोल की खुदरा बिक्री शुरू हो गई है. पेट्रोल में इथेनॉल के 20 फीसदी मिश्रण का पूर्व निर्धारित लक्ष्य 2030 का रखा गया था. साथ ही इथेनॉल उत्पादन कृषि फसलों के लिए बाजार में जरूरी मांग पैदा करता है जिनका उपयोग फ़ीडस्टॉक के रूप में किया जा सकता है, जैसे मक्का, गन्ना और अन्य बायोमास. इस बढ़ी हुई मांग से इन फसलों को उगाने वाले किसानों के लिए ऊंची कीमतें और बाजार स्थिरता आ सकती है. जिससे किसानों को उनकी उपज के लिए एक अतिरिक्त बाजार प्रदान करता है और आय को बढ़ाता है.

भारत की इथेनॉल क्रांति-ऊर्जा और कृषि

भारत द्वारा मक्का आधारित इथेनॉल उत्पादन को प्रोत्साहन देने के कारण देश के एक प्रमुख मक्का निर्यातक से शुद्ध आयातक बनने की ओर अग्रसर होने की चर्चा शुरू हो गई है, जिससे मक्का की घरेलू कमी और विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव के साथ ही वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में भी बदलाव आ रहा है।

भारत द्वारा गैसोलीन में इथेनॉल सम्मिश्रण या 'ब्लेंडिंग' के महत्वाकांक्षी प्रयास ने इसके कृषि परिदृश्य और वैश्विक व्यापार स्थिति में अप्रत्याशित बदलाव को प्रेरित किया है।

कभी एशिया का शीर्ष मक्का निर्यातक रहा भारत अब कई दशकों के बाद पहली बार शुद्ध आयातक बन गया है। सरकार द्वारा मक्का आधारित इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने का निर्णय इसका प्रमुख कारण है। कार्बन उत्सर्जन को कम करने और घरेलू उपभोग के लिये पर्याप्त मात्रा में चीनी आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाए गए इस नीतिगत बदलाव ने मक्का की गंभीर कमी पैदा कर दी है, जिससे देश को वर्ष 2024 में रिकॉर्ड 1 मिलियन टन मक्का आयात करने के लिये (मुख्यतः म्याँमार और यूक्रेन से) बाध्य होना पड़ा।

इस बदलाव के प्रभाव कई क्षेत्रों में देखे जा रहे हैं। जबकि यह कदम भारत के जलवायु लक्ष्यों का समर्थन करता है और इथेनॉल के लिये गन्ने पर निर्भरता को कम करने पर लक्षित है, इसने अनजाने में ही स्थानीय पोल्ट्री उत्पादकों और स्टार्च निर्माताओं की परेशानी बढ़ा दी है जो अब बढ़ते चारा या फीड

Know Dengue for no Dengue

We can prevent ourselves from Dengue

DENGUE

- Dengue is a viral disease.
- It is transmitted by the bite of Aedes mosquito.
- Dengue Fever is a severe, flu-like illness.
- Dengue Hemorrhagic Fever & Dengue Shock Syndrome are more severe forms of disease, which may cause death if not treated properly in time.

Dengue manifests in three forms:

i) Classical Dengue fever(majority of cases are of this type and can be treated at home).
ii) Dengue Hemorrhagic Fever (severe type needs admission).
iii) Dengue Shock Syndrome (severe type needs admission).

SIGNS AND SYMPTOMS

i) Dengue Classical fever.
- High grade fever.
- Pain behind the eyes which worsens with eye movement.
- Muscle and joint pains.
- Pain abdomen.
- Frontal headache.
- Rashes on the body.
- Nausea and vomiting.

ii) Dengue Hemorrhagic Fever:
- Bleeding through Gums/nose
- blood in vomiting
- small hemorrhagic spots over skin
- blood in stools (black motion).
- abdominal pain
- Low BP, shock

iii) Dengue Shock Syndrome:
- Cold clammy limbs,
- feeble pulse
- low B.P,shock
- unconsciousness
- If not treated timely and properly can lead to death.

PREVENTION

- Avoid water stagnation in & around the house.
- Empty water reservoirs regularly like storage utensils, air coolers, plant pots, drums, flower pots and bird baths etc.Destroy and dispose off junk items like old tyres, coconut shells, dis posable glasses and used cold drink bottles etc.
- Keep water tanks and other water containers tightly covered with lids.
- Use mosquito repellents/ Anti mosquito creams.
- On leaving home,do not wear clothes that expose arms and legs.
- Use mosquito nets while sleeping.
- Use netted screens for doors & windows to prevent entry of mosquitoes.
- Avoid sleeping on terrace to prevent mosquito bites.

Management

- On having symptoms of dengue go to the nearby health institution.
- The tests and treatment are available free of cost in Govt. Health Institutions. Rapid tests are not reli able and should be avoided, ELISA is the only confirmatory test.
- Don't go for self medication.
- For first aid for high grade fever in inaccessible areas and during odd hours you can use tablet Paracetamol and tepid sponging.
- Don't take pain killers and any other medicines without the consultation of Doctors.
- Most of the Dengue cases are mild and can be treated at home.
- Once the fever subsides, the patient needs to be more careful as this is "Lull before the Storm",The severe types of Dengue can develop after the fever is over. Consult doctor imme diately in case of symptoms of severe type of Dengue. Patient can resume daily activities only after 2 weeks of onset of fever.
- Take adequate fluids like coconut water, lassi, fruit juices and ORS etc. Take fresh fruits & vegetables and adequate rest in case of symptoms of Dengue.

ISSUED IN PUBLIC INTEREST BY
STATE PROGRAMME OFFICER/STATE MALARIOLOGIST, J&KDIRECTORATE OF HEALTH SERVICES, JAMMU

DIP/J-4259/25
Dtd: 4-8-2025